राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

फरीदाबाद की आवाज़

Email : faridabadkiawaz@gmail.com RNI No. -DELHIN/2017/76338

वर्ष : 06 अंक : 22 दिल्ली से प्रकाशित सोमवार 24-30 अप्रैल 2023 Website : faridabadkiawaz.com मूल्य : 5/- रु. पृष्ठ : 8

कांग्रेस राजस्थान में अपनाएगी बीजेपी का गुजरात चुनाव मॉडल? सीएम अशोक गहलोत ने दिए ये संकेत

पिछले गुजरात में विधानसभा चुनाव हुए थे। इन चुनावों में बीजेपी ने अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी। इन चुनावों में भाजपा ने 156 सीटों पर जीत दर्ज की थी। कांग्रेस भी राजस्थान में ऐसा कर सकती है।

जयपुर। साल के आखिर में राजस्थान में विधानसभा चुनाव होने हैं। बीजेपी और कांग्रेस समेत तमाम दलों ने चुनावी तैयारियां शुरू कर दी हैं। एक तरफ जहां भारतीय जनता पार्टी(ब्क्षक्क) राजस्थान में सत्ता वापसी की जद्दोजहद में लगी हुई है वहीं कांग्रेस भी सरकार दोहराने की तैयारियों में लगी हुई है। ऐसे में दोनों ही पार्टियों ने अपनी-अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी हैं। राजस्थान की राजनीति की जानकारी रखने वाले विशेषज्ञों का मानना है कि गहलोत इन दिनों फ्रंटफुट पर खेल रहे हैं। विशेषज्ञों का यहां तक मानना है कि राजस्थान चुनाव के लिए कांग्रेस आलाकमान ने गहलोत को फ्रीहैंड दे रखा है यानि कि राजस्थान विधानसभा चुनाव से संबंधित फैसलों को लेने के लिए गहलोत को स्वतंत्रता दी गई है। ऐसे में यह भी माना जा रहा है कि राजस्थान विधानसभा चुनाव में कांग्रेस बीजेपी के गुजरात चुनावी मॉडल को अपना सकती है। बता दें कि गुजरात विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने अपने कई वर्तमान विधायकों का टिकट काट दिया था। इसके बाद जो नतीजे आए वो चौंकाने वाले थे। पिछले साल हुए गुजरात विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने अब तक की सबसे बड़ी जीत हासिल करते हुए इतिहास रच दिया था।

क्या था बीजेपी का गुजरात चुनाव मॉडल-पिछले गुजरात में विधानसभा चुनाव हुए थे। इन चुनावों में बीजेपी ने अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी। इन चुनावों में भाजपा ने 156 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इस दौरान भाजपा ने गुजरात में अपने कई वर्तमान विधायकों का टिकट काट दिया था। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसा ही मॉडल राजस्थान में अशोक गहलोत सरकार अपनाना चाह रही है। ऐसी संभावना है कि राजस्थान में भी कई वर्तमान विधायकों का टिकट काटा जा सकता है।

कई विधायकों के टिकट कटने के संकेत-साल के आखिर यानि कि दिसंबर में राजस्थान में विधानसभा चुनाव कराने की संभावना बन रही है। ऐसे में माना जा रहा है कि गहलोत अपने कई विधायकों का टिकट काट सकते हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, गहलोत ने पिछले दिनों एक सर्वे करवाया था। इस सर्वे में कुछ विधायकों को अच्छे नंबर नहीं मिले थे। ऐसे में गहलोत ने अपने विधायकों को इशारों-इशारों में यह संकेत दे दिया है कि राजस्थान की जनता कुछ विधायकों के कामकाज से संतुष्ट नहीं है। ऐसे में उन विधायकों का टिकट काटा जा सकता है। बदा दें कि इससे पहले कांग्रेस पार्टी ने राजस्थान के विधायकों का सर्वे करवाया था। सर्वे में कुछ विधायकों का फीडबैक अच्छा नहीं आया था। बता दें कि इसी तरह बीजेपी ने गुजरात के विधानसभा चुनावों में किया था। भाजपा ने अपने कई वर्तमान विधायकों का टिकट काट दिया था। चुनाव परिणाम आने के बाद आंकड़ों ने सबको चौंका दिया था। अपने 27 सालों का वर्चस्व कायम रखते हुए भाजपा ने अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी। इन चुनावों में बीजेपी को 156 सीटों पर जीत मिली थी।

60-70 विधायकों का कट सकता है टिकट-राजस्थान विधानसभा चुनाव को लेकर सीएम गहलोत बड़ा धमाका करने वाले हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, राजस्थान विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के 30-35 फीसदी विधायकों का टिकट कट सकता है। ऐसा माना जा रहा है कि विधायकों का टिकट कटने का आंकड़ा 60 से 70 तक भी पहुंच सकता है। इस दौरान यह कयास भी लगाए जा रहे हैं।

सचिन पायलट पर साधी चुप्पी

राजस्थान की राजनीति के जानकारों का मानना है कि कांग्रेस आलाकमान ने राजस्थान चुनाव में गहलोत को काफी हद तक निर्णय लेने की आजादी दी हुई है। इस दौरान यह भी देखा जा सकता है कि पायलट के मुद्दे पर गहलोत ने चुप्पी साधी हुई है। उनकी इस चुप्पी के मायने निकाले जा रहे हैं। ऐसा माना जा रहै कि गहलोत चुनाव में पायलट ग्रुप के विधायकों का टिकट काट सकते है। ऐसे कयास इसलिए भी लगाए जा रहे हैं क्योंकि वो राजस्थान में अपना प्रभाव कायम कर पायलट का प्रभाव कम करना चाहते हैं।

सम्पादकीय

दलबदलुओं के लिये विचारधारा नहीं 'राजनैतिक कैरियर' महत्वपूर्ण

कर्नाटक में राज्य विधानसभा हेतु 10 मई को चुनाव होने निर्धारित हैं। पूरे राज्य में एक ही चरण में होने वाले चुनाव की मतगणना 13 मई को होनी तय है। चुनाव पूर्व सर्वेक्षण से फिलहाल यही पता चल रहा है कि राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा को सत्ता में वापसी के लिये कड़ी मशक़्क़त करनी पड़ रही है। दूसरी तरफ़ कांग्रेस के पक्ष में भी सकारात्मक माहौल बनता दिखाई दे रहा है। भाजपा के विरुद्ध जहाँ सत्ता विरोधी रुझान है वहीं राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का कर्नाटक के बड़े क्षेत्र से होकर गुज़रना,तथा राहुल गांधी की संसद से बर्ख़ास्तगी के बाद राज्य में उनके प्रति पैदा हुई सहानुभूति कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनाने में कारगर साबित हो रही है। राज्य में होने वाले इस संभावित सत्ता परिवर्तन को राज्य के कई %मंझे% हुये नेता भी बख़ूबी समझ रहे हैं। और उनकी यही %दूरदर्शिता% उन्हें किसी न किसी परिस्थितिवश चुनाव पूर्व ही %दल बदल% करने के लिये %मजबूर% कर रही है। प्राप्त ख़बरों के अनुसार राज्य के आठ प्रमुख भाजपा नेताओं के अतिरिक्त तमाम %छुटभैय्ये% भाजपाई भी कांग्रेस पार्टी का दामन थाम चुके हैं। जबकि कुछ जेडीएस में भी शामिल हुये हैं। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व उप मुख्यमंत्री से लेकर कई विधायक और विधान परिषद सदस्य तक शामिल है। इसी सूची में सबसे महत्वपूर्ण नाम राज्य के पूर्व मुख्य मंत्री भाजपा एवं लिंगायत समुदाय के प्रभावशाली नेता जगदीश शेट्टार और पूर्व उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी का है। कर्नाटक की राजनीति में लिंगायत समुदाय सत्ता का खेल बनाने बिगाड़ने में अत्यंत प्रभावी माना जाता है। बताया जा रहा है कि शेट्टार अपनी पारंपरिक सीट हुबली-धारवाड़ विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार के रूप में सातवीं बार चुनाव लड़ना चाह रहे थे, लेकिन भाजपा ने उन्हें टिकट देने से मना कर दिया था। प्राप्त ख़बरों के अनुसार शेट्टार को हुबली-धारवाड़ विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी न बनाने के बदले में उन्हें केंद्र सरकार में मंत्री और उनके परिवार के किसी अन्य सदस्य को विधानसभा चुनाव लड़ने की पेशकश पार्टी की ओर से की गयी थी जो उन्होंने स्वीकार नहीं किया। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी ने आनन फ़ानन में जगदीश शेट्टार को पार्टी में शामिल कर उन्हें हुबली-धारवाड़ विधानसभा सीट से पार्टी का प्रत्याशी भी घोषित कर दिया। लिंगायत समुदाय के कर्नाटक में 18 फ़ीसद मतदाता हैं और वो प्रायः भाजपा के समर्थक माने जाते रहे हैं। भाजपा छोड़ने के बाद जगदीश शेट्टार अकेले 20 से लेकर 25 लिंगायत प्रभाव वाली सीटों पर भाजपा को नुक़्सान व कांग्रेस को फ़ायदा पहुंचा सकते हैं। इनके अतिरिक्त भाजपा छोड़ने वाले प्रमुख नेताओं में पूर्व विधायक डीपी नारीबोल, मंत्री एस अंगारा और बीएस येदियुरप्पा के क़रीबी डॉक्टर विश्वनाथ के साथ वर्तमान विधायक एमपी कुमारस्वामी,विधायक रामप्पा लमानी, विधायक गुली हटी शेखर, तथा वर्तमान एमएलसी (विधान पार्षद) शंकर शामिल हैं। दल बदल करने वाले अधिकांश भाजपा नेताओं का एक ही दुखड़ा है कि पार्टी ने उन्हें प्रत्याशी क्यों नहीं बनाया। टिकट न मिलने के कारण पार्टी छोड़ने वाला एक नाम वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और कर्नाटक विधानसभा के पूर्व स्पीकर कागोडु थिम्मप्पा की बेटी डॉ. राजनंदिनी का भी है।

दिनेश शर्मा

चार धाम यात्रा 2023 पर मौसम पर सामने आया बड़ा अपडेट

गंगोत्री, बदरीनाथ-केदारनाथ यात्रा में बारिश पर रहें अलर्ट

देहरादून। उत्तराखंड चार धाम 2023 यात्रा रूट पर मौसम पर बड़ा अपडेट आया है। चार धाम यात्रा रूट पर बारिश का पूर्वानुमान है। खराब मौसम की वजह से बारिश के बाद भूस्खलन से हाईवे बंद हो सकता है। ऐसे में दिल्ली-एनसीआर, यूपी, एमपी सहित देश के कई राज्यों से आने वाले तीर्थ यात्रियों को सलाह दी जाती है कि यात्रा के दौरान अलर्ट रहें। विदित हो कि गंगोत्री और यमुनोत्री धामों के कपाट 22 अप्रैल को खुल गए हैं। जबकि, केदारनाथ धाम के कपाट 25 अप्रैल को खुलेंगे। बदरीनाथ धाम में 27 अप्रैल से तीर्थ यात्री दर्शन कर सकेंगे। मौसम विभाग क पूर्वानुमान की बात करें तो उत्तराखंड के पर्वतीय इलाकों में 26 अप्रैल तक बारिश का मौसम रहेगा। चारधाम में हल्की बारिश की संभावना है। 24 और 25 अप्रैल को बर्फबारी के भी आसार हैं। मौसम विभाग की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार, 23 अप्रैल को उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। वहीं 24 और 25 अप्रैल को इन पांच जिलों में गर्जन के साथ बारिश में बढ़ोतरी होने के आसार हैं। दोनों दिन 3500 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की भी

संभावना है। हालांकि मौसम विभाग ने किसी तरह का अलर्ट जारी नहीं किया है। चारधाम यात्रा की बात करें तो रविवार को जोशीमठ, बदरीनाथ, हेमकुंड साबिब में हल्की बारिश के आसार हैं। वहीं केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में भी बारिश हो सकती है।

डीटीसी की अंतरराज्यीय प्रीमियम सेवा 1600 बसों संग होगी शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार अंतरराज्यीय प्रीमियम बस सेवा 1600 बसों के साथ शुरू करेगी। ये बसें पांच राज्य उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, हरियाणा व पंजाब के लिए अलग-अलग रूट पर चलेंगी। योजना को लेकर डीटीसी बोर्ड ने पहले ही मंजूरी दे दी है। सूत्रों की मानें तो शुक्रवार को इस योजना को लेकर परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने अधिकारियों के साथ बैठक भी की है। अंतरराज्यीय प्रीमियम बस सेवा में इलेक्ट्रिक बसों को भी शामिल करने की योजना है। डीटीसी निजी बस संचालकों को निविदा के जरिए इसका चयन करेगी। बसों का परिचालन दिल्ली से 200 से लेकर 300 किलोमीटर के दायरे में आने वाले गंतव्य स्थलों तक किया जाएगा। यह बसें पांच राज्यों के जिन रूट पर चलेंगी उनमें कुल 203 गंतव्य स्थल होंगे, जहां से यात्रियों को आवाजाही करना आसान होगा। इसमें 200 किलोमीटर के दायरे वाले रूट पर कुल 113 जबकि उससे अधिक लंबे रूट पर 90 गंतव्य स्थल चिह्नित किए गए हैं। दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के

मुताबिक, 200 किलोमीटर के दायरे में पड़ने वाले गंतव्य स्थलों तक हमारी कोशिश होगी कि इलेक्ट्रिक बसें चलें। उससे आगे के लिए सीएनजी व डीजल बसों का भी परिचालन किया जा सकता है, लेकिन बसों का बीएस-6 श्रेणी का होना अनिवार्य होगा। सरकार जिन प्रमुख गंतव्य स्थलों को फोकस किया है उसमें हरिद्वार, आगरा, मथुरा, मेरठ, चंडीगढ़, लुधियाना, जयपुर समेत अन्य स्थल होंगे।

मुफ्त सफर नहीं

अंतरराज्यीय प्रीमियम बस सेवा भले ही डीटीसी परमिट के तहत चलेंगी, लेकिन उसमें महिलाओं के लिए मुफ्त सफर की सुविधा नहीं होगी। प्रीमियम बसों का किराया कितना होगा यह भी अभी तक तय नहीं है। अभी सरकार इसके परिचालन मॉडल पर काम कर रही है।

यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधाएं मिलेंगी

प्रीमियम श्रेणी में उतारी जाने वाली सभी बसों में यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। सुरक्षा के मद्देनजर अन्य सुविधाएं होंगी, जैसे-जीपीएस (ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम), पैनिक बटन, सीसीटीवी कैमरा के अलावा अन्य अत्याधुनिक उपकरण होंगे। इसमें यात्री चाहे तो सीधे बसों की निगरानी के लिए बनाए जा रहे नियंत्रण कक्ष से जुड़ सकेंगे।

समलैंगिक विवाह पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को होने वाली सुनवाई रद

सामने आई यह बड़ी वजह

नई दिल्ली। समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने की मांग संबंधी याचिकाओं पर संविधान पीठ में सोमवार को निर्धारित सुनवाई रद हो गई है। शुक्रवार देर रात जारी बयान में बताया गया कि जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस एस. रविंद्र भट की अनुपलब्धता की वजह से सोमवार को उक्त संविधान पीठ में सुनवाई नहीं हो सकेगी। दोनों ही न्यायाधीश उस संविधान पीठ का हिस्सा हैं, जो समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने की मांग संबंधी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। इस पीठ में इन दोनों न्यायाधीशों के अलावा प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस पीएस नरसिम्हा शामिल हैं।

'अन्य मामलों के लिए हम 9:30 बजे बैठ सकते हैं'-इससे पहले दिन में जस्टिस चंद्रचूड़ ने संकेत दिए थे कि उनकी अध्यक्षता वाली शीर्ष

अदालत की पीठ सोमवार को एक घंटे पहले कार्यवाही शुरू करेगी। जस्टिस नरसिम्हा के साथ पीठ में बैठे जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा था, 'हम थोड़ा जल्दी बैठेंगे, ताकि हम कुछ तात्कालिक मामलों को सुन सकें। संविधान पीठ को 10.30 बजे बैठना है। इसलिए अन्य मामलों के लिए हम 9.30 बजे बैठ सकते हैं।'

देशभर से हटेंगे टोल नाके? फास्टैग के बजाय अब जीपीएस के जरिये टोल टैक्स वसूलने की तैयारी

नई दिल्ली। आने वाले दिनों में देशभर से टोल प्लाजा हट सकते हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय टोल वसूली के लिए नई तकनीक के इस्तेमाल की दिशा में आगे बढ़ रहा है। अगले कुछ महीनों के अंदर ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन सिस्टम और जीपीएस बेस्ड टोल कलेक्शन सिस्टम को लागू किया जाना है। इस बीच, नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि टोल वसूली के लिए वाहनों में जीपीएस अनिवार्य करने की दिशा में कुछ कड़े प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए। अगर संभव हो तो इसे वाहनों के इंश्योरेंस से जोड़ दिया जाए। यानी जीपीएस लगे होने पर ही वाहन का इंश्योरेंस होना चाहिए। दरअसल, वर्तमान में फास्टैग के जरिए टोल वसूली की जा

रही है, लेकिन जीपीएस और ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन सिस्टम के जरिए टोल वसूली शुरू होने पर सभी टोल नाकों को हटाना होगा। एनएचएआई का मानना है कि देश में बड़ी संख्या में लोग टोल से बचने के लिए गाड़ी में जीपीएस नहीं लगाएंगे या फिर नंबर प्लेट को किसी कपड़े या कागज से कवर कर लेंगे। इसी तरह से कई हेराफेरी करके टोल से बचना चाहेंगे। ऐसी स्थिति के अंदर चाहिए कि जब नए सिस्टम के जरिए टोल वसूली शुरू हो तो उसके लिए पुख्ता इंतजाम किया जाएं। हर वाहन में जीपीएस लगे, उसके लिए इंश्योरेंस की अनिवार्य शर्तों में जीपीएस को जोड़ दिया जाए। अगर किसी वाहन में जीपीएस नहीं है और वो सक्रिय नहीं है तो उसका इंश्योरेंस न किया जाए। अगर कोई व्यक्ति वाहन से जुड़े वॉलेट में टोल के हिसाब से पर्याप्त बैलेंस नहीं रखता है तो उसके लिए भी जुर्माना लगाने की व्यवस्था की जाए।

समय बचाने की कवायद- मंत्रालय चाहता है कि उसके सभी नेशनल हाईवे और एक्सप्रेसवे पर टोल प्लाजा के चलते लोगों को सफर में देरी न हो। अभी फास्टैग के जरिए टोल वसूली होने से टोल पर लगने वाले समय में कमी आई है।

इस तरह से वसूली की योजना

जीपीएस के जरिए यह नापा जाएगा कि वाहन नेशनल हाईवे और एक्सप्रेसवे पर कुल कितने किलोमीटर चला। उसके बाद वाहन के नंबर को कैमरों के माध्यम से स्कैन किया जाएगा। जो सिस्टम को यह बताएगा कि वाहन में किस कंपनी का फास्टैग वॉलेट लगा है। उसके बाद दूरी के हिसाब से टोल कट जाएगा।

सरकारी कर्मचारी को डबल ओवरटाइम नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में कहा है कि यदि सेवा नियम में प्रावधान नहीं है तो सरकारी कर्मचारी फैक्ट्री एक्ट के तहत डबल ओवरटाइम भत्ते का दावा नहीं कर सकते। जस्टिस वी. सुब्रहमण्यम और पंकज मिथल की बेंच ने यह फैसला देते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट का फैसला निरस्त कर दिया। साथ ही राज्य की उस अपील को स्वीकार कर लिया, जिसमें कहा गया था कि कर्मचारी फैक्ट्री एक्ट के तहत डबल ओवरटाइम के लाभ के लिए पूरी तरह से अधिकृत है। सरकारी कर्मचारी कई विशेष लाभों का आनंद लेता है ~ बेंच ने कहा कि राज्य या केंद्र सरकार में सिविल पदों या सिविल सेवा में नियुक्ति एक स्टेटस का मामला है। यह ऐसा रोजगार नहीं है, जो सेवा अनुबंध और श्रमिक कल्याण कानूनों से संचालित हो। बेंच ने कहा कि सरकारी कर्मचारी कई विशेष लाभों जैसे आवधिक वेतन संशोधन के प्रावधान आदि का आनंद लेते हैं, जो फैक्ट्री एक्ट के दायरे में आने वाले श्रमिकों को नहीं मिलते। ऐसे में सरकारी कर्मचारियों के दावों की जांच करने की आवश्यकता है कि कहीं वे दोनों लाभ तो हासिल नहीं करना चाहते।

अदालत ने कहा कि सरकारी कर्मचारी हमेशा सरकार के अधीन रहते हैं। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि किसी भी व्यक्ति द्वारा किसी भी लाभ का दावा नहीं किया जा सकता है। वास्तव में प्रतिवादियों के लिए डबल ओवरटाइम भत्ते के भुगतान की मांग करने की कोई गुंजाइश नहीं थी।

साप्ताहिक अवकाश धारा-52 के तहत-सिविल पदों पर नहीं होने वाले कर्मचारी फैक्ट्री एक्ट (धारा-51) से संचालित होते हैं, जिन्हें निश्चित सीमाओं के अंदर साप्ताहिक घंटों में हफ्ते में छह दिन काम करना पड़ता है। साप्ताहिक अवकाश धारा-52 के तहत दिया जाता है। रोजाना काम के घंटे धारा-34 में उल्लेखित हैं। फैक्ट्री एक्ट के कर्मियों का वेतन एक अवधि के बाद स्वतः संशोधित नहीं किया जाता, जैसा कि सरकारी सेवा में वेतन आयोग होता है।

कर्मचारियों की मांग सेवा नियमों पर आधारित नहीं-बेंच ने आगे कहा कि फैक्ट्री एक्ट के तहत उद्योगों में लगे कर्मियों के विपरीत सरकारी कर्मियों को हर समय अपने आप को सरकार की सेवा में लगाए रहना है। वे इसके लिए ओवरटाइम नहीं मांग सकते। ऐसे में याचिकाकर्ताओं को डबल ओवरटाइम की मांग करने की कोई गुंजाइश नहीं है। यहां सरकारी कर्मियों की मांग सेवा नियमों पर आधारित नहीं, बल्कि फैक्ट्री एक्ट की धारा-59 के तहत है।

चूंकि सरकारी सेवा नियम ओवरटाइम का प्रावधान नहीं करते, इसलिए उनका दावा स्वीकार करने योग्य नहीं है।

सरकारी व निजी सेवा का फर्क समझाने में विफल-सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि श्रम पंचाट और हाईकोर्ट यह समझने में विफल रहे हैं कि सरकारी और निजी सेवा में क्या फर्क है। अपील स्वीकार करते हुए कोर्ट ने कहा, जो कर्मचारी रिटायर हो गए हैं या मृत हो गए हैं, उनसे भुगतान कर दिए ओवरटाइम की रिकवरी नहीं की जाए।

एसएचओ शिवाजी कॉलोनी को सिटी थाने की कमानःसुखविंद्र हत्याकांड; पुलिस के हाथ खाली...एसएचओ बदले

रोहतक। एसपी हिमांशु कुमार ने गुरुवार को दो एसएचओ के कार्यक्षेत्र में परिवर्तन कर दिया। एसपी की इस कार्रवाई को सुखविंद्र हत्याकांड से जोड़कर देखा जा रहा है। वहीं, सुखविंद्र हत्याकांड में पुलिस के हाथ शुक्रवार को भी खाली रहे। श्रीराम कॉलोनी निवासी सुखविंद्र की सोमवार रात गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसमें वंश और तीन अन्य साथी आरोपी हैं। पुलिस ने वंश और उसके तीन साथियों के खिलाफ हत्या और जानलेवा हमले के साथ अन्य धाराओं में केस दर्ज किया था। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार टीमों का गठन भी किया गया। दिल्ली, गाजियाबाद के साथ राजस्थान में भी पुलिस छापेमारी की। लेकिन आरोपी पुलिस के हाथ नहीं आ सके। उधर, गुरुवार को एसपी हिमांशु ने शहर के दो एसएचओ के कार्यक्षेत्र में परिवर्तन कर दिया। सिटी एसएचओ देशराज को थाना शिवाजी कॉलोनी भेजा गया है। वहीं एसएचओ शिवाजी कॉलोनी शमशेर सिंह को सिटी थाना भेजा गया है। एसएचओ शिवाजी कॉलोनी देशराज का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगातार प्रयास कर रही हैं।

डीटीपी विभाग ने कॉलोनाइजर के खिलाफ मामला दर्ज किया

हिसार। हिसार में गांव सातरोड एरिया में कॉलोनाइजर ने अवैध कॉलोनी काटकर प्लॉट बेच दिए। शिकायत के बाद डीटीपी विभाग ने कॉलोनाइजर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। डीटीपी वेदप्रकाश सहरावत ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शहर के सातरोड एरिया में सुमित कुमार, संदीप, दीपक कुमार, प्रवेश, भतेरी, बिमलेश ने मस्तनाथ के नाम से कॉलोनी काटी है। यह भूमि शहरी क्षेत्र में आती है। आरोपियों ने बिना किसी लाइसेंस के भूमि की डिमार्केशन, ले-आउट, भूमि को डिवाइड और इंटरलॉकिंग रोड नेटवर्क तैयार किया हुआ है।

दो नोटिस भेज चुका विभाग

इसके संबंध में 19 सितंबर 2022 और 18 अक्टूबर 2022 को शो कॉज नोटिस जारी किए गए। परंतु फिर भी कॉलोनाइजर ने कोई जवाब नहीं दिया। इन हालातों के चलते ही एक्शन लिया गया है। बिना लाइसेंस के प्लाट ट्रांसफर कर दिए। कॉलोनाइजर ने हरियाणा डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन ऑफ अर्बन एरिया एक्ट का उल्लंघन किया है।

बड़ी औद्योगिक क्षेत्र में सड़कों के निर्माण के लिए मिली स्वीकृति, अब शुरू होगा निर्माण

गन्नौर। बड़ी औद्योगिक क्षेत्र के फेस क्षेत्र में टूटी सड़कों से परेशान उद्योगपतियों को अब राहत मिल जाएगी। अब एचएसआईआईडीसी मुख्यालय पंचकूला से सड़कों के निर्माण के लिए बुधवार को ही 8 करोड़ 28 लाख रूपयें की स्वीकृति 19 अप्रैल को दो दिन पहले मिल गई है। मैसर्ज अजीत कंस्टेक्शन कंपनी अब काम शुरू कर देगी। उसे सभी सड़कों के निर्माण का काम पूरा करने के लिए लगभग 8 माह का समय मिला है। काफी समय से टैंडर लगने के बाद वितिय स्वीकृति न मिलने के कारण उद्योगपतियों को जल्दी सड़क निर्माण शुरू होने की उम्मीद खत्म हो गई थी। क्योंकि टैंडर लगने के बाद भी कई माह का समय बीत चुका है लेकिन वितिय स्वीकृति न मिलने के कारण काम अधर में लटका था। ज्ञात रहे कि उद्योगपति हर साल सरकार को करोड़ों रुपए का टैक्स देने के साथ ,एचएसआईआईडीसी को भी लाखों रुपए मेंटिनेंस के नाम पर दे रहे है। उसके बदले एचएसआईआईडीसी की अनदेखी के कारण वे टूटी सड़कों पर चलने को मजबूर है। उद्योपतियों का कहना कि उन्हें सुविधाओं के नाम पर टूटी सड़के,एरिया में खराब स्ट्रीट लाइट पड़ी है। औद्योगिक क्षेत्र में सड़क बदहाल होने से व्यापारियों काफी परेशान है। उनका कहना कि सड़कों का मेंटेनेंस कई सालों से नहीं कराया है। सड़कों से हेवी लोडेड ट्रक गुजरने से सड़क जगह जगह से धंस गई है। सड़क पर इतने गहरे गड्ढे हो गए हैं कि यहां से निकलना खतरे से खाली नही है। गड्ढे होने से वाहनों में अधिक नुकसान हो रहा है।

8.28 करोड़ रूपयें की वितिय स्वीकृति मिली, काम शुरू होगा ~एक्सईन

-बड़ी औद्योगिक क्षेत्र के कार्यवाहक एक्सईन जसबीर देशवाल ने बताया कि पहले विभाग से सड़कों के निर्माण की स्वीकृति मिली थी। उसके बाद निर्माण के लिए टैंडर लगाया गया। टैंडर मैसर्ज अजीत कंस्टेक्शन एंजेसी को अलाट हो गया था लेकिन वितिय अनुमति स्वीकृत न होने से काम शुरू नही हो रहा था। अब सभी काम पूरे होने के साथ 8.28 करोड़ रूपयें की वितिय स्वीकृति मिल गई है। शीघ्र सड़कों का काम शुरू करवाया जाएगा।

15 मई तक मिलेगी सुविधाःप्रॉपर्टी आईडी में त्रुटि है तो पोर्टल के माध्यम से कर सकते हैं सुधार

रेवाड़ी। शहरी क्षेत्रों में प्रॉपर्टी आईडी अपडेट करने के लिए सरकार ने पोर्टल लॉन्च किया है। जिस पर कोई भी शहरवासी अपनी प्रॉपर्टी डाटा को अपडेट या सत्यापित कर सकते हैं। यह जानकारी डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने दी। उन्होंने बताया कि प्रॉपर्टी आईडी में त्रुटियों के कारण अक्सर आमजन को नगर परिषद और नगर पालिका क्षेत्रों में खासी परेशानी उठानी पड़ती थी, लेकिन अब सरकार द्वारा जनहित में प्रॉपर्टी आईडी संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए स्वयं प्रॉपर्टी मालिक को ही अपनी प्रॉपर्टी डाटा सत्यापन व अपडेट का ऑप्शन देकर राहत प्रदान की है। पोर्टल पर जाने के लिए नागरिकों को क्यू आर कोड स्कैन करना होगा। शहरी निकाय विभाग की ओर से नई प्लानिंग के तहत क्यू आर कोड जारी किया गया है। यह विभाग की वेबसाइट पर भी उपलब्ध रहेगा। संबंधित व्यक्ति खुद कहीं से भी प्रॉपर्टी आईडी में बदलाव की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। नागरिकों को क्यू आर कोड से खुलने वाले पोर्टल पर अपनी प्रॉपर्टी संबंधी व अन्य जानकारी देनी होगी। उन्होंने बताया कि क्यू आर कोड स्कैन करने पर शहरवासी ulbhryndc.org पोर्टल पर प्रॉपर्टी आईडी का डेटा देख भी सकेंगे। विभाग द्वारा अपने स्तर पर प्रॉपर्टी का मिलान किया जा रहा है। उन्होंने शहरी क्षेत्र के लोगों का आह्वान किया कि वे पोर्टल पर अपनी प्रॉपर्टी आईडी में अगर त्रुटि है, तो उसे ठीक कर सकते हैं। यह सुविधा 15 मई तक दी गई है।

प्रेम प्रसंग के चलते विवादः पिता का घर छोड़ प्रेमी के घर पहुंची लैब टेक्नीशियन छात्रा

रेवाड़ी। सहपाठी युवक से प्रेम-प्रसंग का पता चलने के बाद सदर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी लैब टेक्नीशियन छात्रा पड़ोसी गांव निवासी अपने प्रेमी के घर चली गई। घटना के बाद दोनों परिवारों में तनाव हो गया जिसके पश्चात आरोप है कि छात्रा के परिवार के सदस्यों ने प्रेमी के घर पर हमला करके उसे साथ ले जाने का प्रयास किया। घटना में दोनों पक्षों के कुछ लोग भी घायल हो गए। सदर थाना पुलिस ने युवती की शिकायत मिलने के पश्चात उसके पिता सहित परिवार के 14 लोगों के खिलाफ मारपीट सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में एक गांव निवासी युवती ने बताया कि वह लिसाना स्थित पॉलीटेक्निक संस्थान से लैब टेक्नीशियन का डिप्लोमा कर रही है। वह लगभग एक साल लिसाना निवासी मनीष कुमार से संपर्क में है और उससे शादी करना चाहती है। छात्रा ने बताया कि जब उसके प्रेम-प्रसंग की खबर उसके परिवार को पता चली तो परिवार के लोग उसके खिलाफ हो गए हैं। इसके बाद वह अपनी प्रेम मनीष के साथ चली गई और उसके घर पर ही रह रही है।

बाजार में बिक जहरीला आम! पकाने के लिए यूज हो रहा इथेफॉन...

मुंबई। फलों को पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड पर लगे प्रतिबंध से बाजार में एक और रसायन एथेफॉन आ गया है। फलों को पकाने के लिए बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाने वाला रसायन सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए भी उतना ही खतरनाक है। Ethephon एक कीटनाशक के रूप में रजिस्टर्ड है।

आम पकाने के लिए हो रहा इथेफॉन का इस्तेमाल

विक्रेता कर रहे स्वास्थ से कर रहे खिलवाड़

खाने से पहले हो जाएं सावधान, करें पहचान

होम मेकओवर डेज़- गृह सुधार उत्पादों पर 70 प्रतिशत तक की छूट प्राप्त करें

फलों का राजा आम ने मुंबई के बाजारों में दस्तक दे दी है, लेकिन चंद रुपये के लालच में आम विक्रेता लोगों की जान से खिलवाड़ करने पर आमादा हैं। आम का मौसम शुरू होते ही थोक मंडियों में हापुस और आम की अन्य किस्मों की आवक बढ़ गई है। डिमांग बढ़ने से कुछ व्यापारी कच्चे आमों को अब केमिकल से पकाकर बेच रहे हैं। खाद्य और औषधि विभाग की कार्य-प्रणाली को लेकर लोगों ने सवाल उठाया है।

बता दें कि एशिया की सबसे बड़ी मंडी मुंबई कृषि उत्पन्न बाजार समिति (एपीएमसी) में रोजाना लाखों पेटी आम बिकने के लिए आ रही हैं। लेकिन आम के नाम पर यहां मीठा जहर की बिक्री हो रही है। इस मंडी में आम पकाने के लिए विक्रेता कैल्शियम कार्बाइड और इथेफॉन नामक केमिकल का छिड़काव कर रहे हैं। केमिकल में पकाए गए आम स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। इसके खाने से गैस, पेट दर्द, डायरिया होने की संभावना बढ़ गई है।

आम का सीजन शुरू होते ही खाद्य और औषधि विभाग (एफडीए) ने फल विक्रेताओं को केमिकल का इस्तेमाल निर्धारित मानकों से अधिक न करने की चेतावनी दी थी। नियम का उल्लंघन करनेवाले विक्रेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। एफडीए ने व्यापारियों पर निगरानी के लिए 3 टीम भी गठित की थी। इसके बावजूद मंडी के कुछ विक्रेता धड़ल्ले से केमिकल का उपयोग करते दिखाई दिए हैं। हाल ही में एक विडियो सामने आया है। इस विडियो में आम विक्रेता आमों पर इथेफॉन का छिड़काव करते दिखाई दे रहे हैं। इस घटना को रिकॉर्डिंग का पता चलते ही व्यापारियों ने स्प्रे को छिपा लिया।

निश्चित दूरी पर रखना होता है केमिकल

स्थानीय नागरिक ख्वाजा मियां पटेल ने बताया कि आमों को पकाने के लिए इथेफॉन पाउडर का प्रयोग किया जाता है, लेकिन इस पाउडर को आम के संपर्क में आए बिना एक निश्चित दूरी में रखकर पकाना अनिवार्य है। हालांकि व्यापारी सीधे आम पर इसका छिड़काव कर रहे हैं। यह केमिकल इतना खतरनाक है कि इसकी बोतल को भी 1 फुट के गड्ढे में दबाने की सलाह बोतल पर साफ-साफ लिखी गई है। आम पर इस केमिकल का सीधे छिड़काव करने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

खाने से पहले पानी में रखें आम

केमिकल युक्त आम होने के कारण लोगों को सतर्क रहना होगा। खाने से पहले आम और अन्य फलों को पानी में कुछ घंटे तक डुबा कर रखें। जो आम पानी में डूब जाए, वह अच्छे आम होते हैं। जो आम पानी में ऊपर तैरते हैं, वह केमिकल से पकाए गए हैं। ऐसे में उस आम को कुछ समय तक पानी में रहने दें। उसके बाद ही उसका खाने के लिए इस्तेमाल करें।

बाल विवाह के नुकसान व इनकी रोकथाम के उपायों व इनसे सम्बन्धित कानूनी प्रावधानों के बारे में जागृत किया

रेवाड़ी। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चलाए जा रहे आजादी के अमृत महोत्सव महोत्सव अभियान के तहत जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष प्राधिकरण विमल कुमार के निर्देशानुसार मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी व सचिव प्राधिकरण वर्षा जैन के देखरेख में किशन लाल पब्लिक कॉलेज रेवाड़ी व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (कन्या) रेवाड़ी में कानूनी साक्षरता जागरूकता कार्यकर्मों का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों को रैगिंग व बाल विवाह के नुकसान व इनकी रोकथाम के उपायों व इनसे सम्बन्धित कानूनी प्रावधानों के बारे में जागृत किया और उनको जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यो व इसके द्वारा चलाई जा रही बुजुर्गो, बच्चों व महिलाओं से संबंधित विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी व उन्हें रैगिंग में भाग न लेने व इसे रोकने व बाल विवाह न करने व बाल विवाहों को रोकने में मदद करने की प्रार्थना की गई। उन्हें रोजगारों मुखी शिक्षा प्राप्त करने व मौलिक कर्तव्यों का पालन करने की सलाह दी गई। इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्या, स्कूल प्रधानाचार्य व अन्य व्याख्याता भी उपस्थित रहे।

मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात सुनने के लिए नौ लाख लोगों को निमंत्रण–धनखड़

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 100 वें संस्करण का 30 अप्रैल को सुबह 11 बजे प्रसारण होगा। पीएम मोदी अपने मन की बात नहीं, देश के मन की बात करते हैं। राजनीतिक नहीं, संस्कृति, संस्कार, सामाजिक सरोकारों से जुड़ी बात करते हैं पीएम मोदी। हरियाणा भाजपा अध्यक्ष औमप्रकाश धनखड़ ने यह बात बादली हलके में मंडल स्तर पर आयोजित कार्यकारिणी की बैठकों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 100 वें संस्करण को हरियाणा की सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में 100 -100 स्थानों पर 100 -100 कार्यकर्ता व नागरिक मिलकर एक साथ सुनें यह लक्ष्य रखा गया है। देश व प्रदेश के लोग मोदी जी को सुनना पसंद करते हैं क्योंकि वो देश को आगे बढ़ाने की बात करते हैं। मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से पीएम मोदी ऐसे मनुष्य, संस्था,संस्थान, प्रतिष्ठान आदि जो जीवन व समाज सुधार के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करते हैं।

धनखड़ ने कहा कि हरियाणा भाजपा 21 व 22 अप्रैल को प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों के 311 मंडलों में कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर बैठक कर रही है । इन बैठकों के माध्यम से नौ लाख लोगों को आमंत्रित करने की रणनीति बनाई जा रही है। बैठकों में पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों और भविष्य के कार्यक्रमों पर भी विचार विमर्श हो रहा है। धनखड़ ने कहा कि 23 अप्रैल को कैथल में राजकीय स्तर पर धन्ना भगत की जयंती मनाई जा रही है। देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ , हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल और वे स्वयं इस कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि 23 जून तक सभी पांच लाख पन्ना प्रमुखों के सम्मेलन पूरे हो जाएंगे। हरियाणा भाजपा अध्यक्ष औमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि सरकार मंडियों में पहुंच रहे अनाज के एक-एक दाने को खरीद रही है। खरीद व्यवस्थित व सुचारू रूप से चल रही है। वैल्यू कट का भुगतान हरियाणा सरकार कर रही है। किसानों के खातों में पूरे पैसे जा रहे हैं। विपक्ष तथ्यहीन बात करने का आदि हो चुका है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2016 में लागू की गई फसल बीमा योजना के तहत किसानों को 6176 करोड़ रुपये का राहत मुआवजा मिल चुका है। जबकि किसानों ने बतौर प्रीमियम केवल 1577 करोड़ रूपये ,हरियाणा सरकार ने 2064.89 करोड़ व भारत सरकार ने 1785 .24 करोड़ यानि कुल प्रीमियम 5427 करोड़ की राशि भरी है। यानि बीमा कंपनियों ने 749 करोड़ रुपये ज्यादा की पेमेंट किसानों को की है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने आपदा प्रबंधन नीति के तहत 3902. 43 रूपये की मुआवजा राशि वितरित की है। मार्च 2023 तक हमारी सरकार ने प्रदेश के 26.49 किसानों को दोनों योजनाओं के तहत 9886.27 करोड़ रूपये बतौर राहत मुआवजा वितरित किया है। धनखड़ ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस अपना संगठन भी खड़ा नहीं कर पा रही है। भाजपा पन्ना प्रमुख तक पहुंच चुकी है। देश की समझदार जनता ने कांग्रेस को रिजेक्ट कर दिया है,

मेवात मॉडल स्कूलों का समायोजन कर्मचारियों के लिए मुसीबत

चंडीगढ़। मेवात मॉडल स्कूल्स एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन का एक शिष्टमंडल शुक्रवार को शिक्षा निदेशक अंशज सिंह से मिला। इसमें स्कूल कर्मचारियों व बच्चों से संबंधित विभिन्न मांगों को उठाया गया। इनमें कर्मचारियों के नियुक्ति पत्र, ठेका कर्मचारियों को पक्का करने, नियुक्ति पर लगी अनुचित शर्तों तथा ईपीएफ से जीपीएफ, लंबित एसीपी पर निर्णय व अन्य प्रमुख मुद्दों को मुख्य रूप से रखा। साथ ही एसोसिएशन ने बच्चों की परिवहन सुविधा, टैबलेट तथा मुफ्त पुस्तकों के मुद्दों को भी रखा। एसोसिएशन के प्रधान विजेंद्र सिंह ने बताया कि शिक्षा निदेशक ने मुद्दों को गंभीरता से सुना तथा अपने अधीनस्थ को जल्द समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने सभी मांगों पर विचार करने का सकारात्मक आश्वासन दिया। इसके साथ ही एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल को पुनःअतिरिक्त निदेशक शिक्षा के साथ लंबित मांगों के समाधान के लिए अधिकृत किया गया और अतिरिक्त निदेशक के साथ अन्य मुद्दों के समाधान के लिए 26 अप्रैल की मीटिंग निर्धारित हुई। एसोसिएशन के महासचिव कमरूद्दीन व पूर्व प्रधान सतीश कुमार ने बताया कि मेवात मॉडल स्कूलों का शिक्षा विभाग में समायोजन स्कूल कर्मचारियों के लिए अभिशाप बन गया है। एक साल बीत जाने के बाद भी कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र तक नहीं जारी हुए जबकि दो बार दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया से भी गुजर चुके हैं।

महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के कार्यक्रम को लेकर प्रशासन मुस्तैद

करनाल। उपायुक्त करनाल अनीश यादव और पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन के नेतृत्व में जिला के अधिकारियों की टीम ने शुक्रवार को राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआई) का दौरा किया और आगामी 24 अप्रैल को महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के कार्यक्रम को लेकर व्यवस्थाओं का जायजा किया। निरीक्षण के दौरान एडवांस सिक्योरिटी लायसन (एएसएल) टीम भी मौके पर उपस्थित रही। इस दौरान राष्ट्रपति को करनाल लाने वाले भारतीय वायु सेना के हैलीकॉप्टर की भी सेफ लैंडिंग का ट्रायल किया गया। बता दें कि महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आगामी 24 अप्रैल को प्रातः लगभग साढ़े 10 बजे राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआई) के सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह

में बतौर मुख्यातिथि शामिल होंगी और संस्थान से डेरी इंजीनियरिंग कर चुके छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान करेंगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर उपायुक्त अनीश यादव और पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी अधिकारी ड्यूटी में कौताही ना बरतें और अपना शत-प्रतिशत इनपुट देकर सभी तैयारियां समय रहते मुक्कमल करें। इस मौके पर उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को हैलीपैड स्थल पर मौजूद वृक्षों की ट्रीमिंग करने के भी आदेश दिए। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को हैलीपैड व कार्यक्रम स्थल पर्याप्त संख्या में एम्बुलैंस की तैनाती तथा कल्पना चावला राजकीय मैडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के स्टाफ को अलर्ट मोड पर रखने के लिए कहा गया तथा अग्रिशमन वाहनों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।इस दौरान महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के कार्यक्रम से सम्बंधित किए जाने वाले सभी प्रबन्धों को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई और सम्बधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए। इस मौके पर एसडीएम करनाल अनुभव मेहता, एसडीएम असंध मनदीप कुमार, एसडीएम इंद्री राजेश पुनिया, शुगर मिल की एमडी डॉ. पूजा भारती, नगराधीश अमन कुमार, सिविल सर्जन डॉ. योगेश कुमार, एनडीआरआई के निदेशक डॉ. धीर सिंह सहित सभी सम्बधित अधिकारी उपस्थित रहे।

असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने को मिले जनता का सहयोग–डीसीपी

सोनीपत। पुलिस व जनता के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए जिला एवं थाना स्तर पर शुक्रवार को अलग-अलग पुलिस पब्लिक समन्वय समिति का गठन किया गया है। पुलिस उपायुक्त गोहाना में भारती डबास की अध्यक्षता में क्षेत्र मौजिज व्यक्तियों के साथ पुलिस पब्लिक समन्वय मीटिंग अपराध पर नियंत्रण करने के लिए टिप्स दिए गए हैं।

गोहाना डीसीपी भारती डबास ने बताया कि क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आमजन का सहयोग व पुलिस पब्लिक का तालमेल अत्यंत आवश्यक है। गोहाना क्षेत्र को नशा, चोरी व अपराध मुक्त करने के लिए गोहाना पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई तथा नशा विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान की समीक्षा की गई तथा बैठक के दौरान बीते मार्च माह में हुई तालमेल बैठक के दौरान उठाई गई विभिन्न समस्याओं के निवारण को लेकर की गई कार्रवाई की समीक्षा की गई।

असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सभी को एकजुट होकर समाज हित में कार्य करने की जरुरत है। क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस पब्लिक का आपसी तालमेल व सहयोग बना रहे। स्थानीय पुलिस द्वारा नशा तस्करी,आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने, वांछित दोषियों की धरपकड़ तथा चोरी की वारदातों पर गोहाना क्षेत्र के लिए स्थानीय पुलिस द्वारा कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

अर्बन लोकल बॉडी के पोर्टल पर नगर निगम ने की 22 साईट लाईव

करनाल। नगर निगम करनाल ने शहरी स्थानीय निकाय के पोर्टल पर विज्ञापन की 22 साईट लाईव कर दी हैं। इच्छुक व्यक्ति या एजेंसी ulb.projectwyl.inपोर्टल पर एक या एक से अधिक साईट भर सकता है। वार्षिक रेट की कुल राशि का 10 प्रतिशत ई.एम.डी. यानि बयाना के रूप में भरना होगा। सफल बोलीदाता को रेट का एक चौथाई भाग अग्रिम रूप में जमा करवाना होगा, शेष राशि तिमाही आधार पर चुक्ता करनी होगी। विज्ञापन प्रदर्शन करने के लिए जगह एक वर्ष के लिए दी जाएगी। जो पार्टियां बोली में असफल रहेंगी, वे अपनी ई.एम.डी. वापिस ले सकती हैं। लेकिन सारी प्रक्रिया ऑनलाईन ही पूरी करनी होगी। नगर निगम आयुक्त अभिषेक मीणा ने इस बारे ओर जानकारी देते बताया कि पोर्टल पर अपनी पसंद की विज्ञापन साईट लेने के लिए 3 मई अंतिम तिथि रखी गई है, जो सांय 5 बजे तक ओपन रहेगी। इसके पश्चात 4 से 5 मई यानि दो दिन

साईटों की ऑक्शन की जाएगी, जिसकी बोली ज्यादा होगी, उसी को साईट मिलेगी। उन्होंने बताया कि लोकेशन के हिसाब से साईटों के रेट भी अलग-अलग हैं। व्यक्ति या एजेंसी अपना विज्ञापन प्रदर्शित करने के लिए होर्डिंग का स्ट्रक्चर स्वयं भी लगा सकते हैं और ठेका अवधि के अंदर जब चाहें उसे उतार भी सकते हैं। निगमायुक्त ने बताया कि विज्ञापनो से नगर निगम की आय में इजाफा होगा। उचित जगहों पर ही अधिकृत विज्ञापन प्रदर्शित होंगे। डिफेसमेंट ऑफ पब्लिक प्रॉपर्टी एक्ट का उल्लंघन भी नहीं होगा। इससे शहर की सुंदरता बढ़ेगी।

उन्होंने बताया कि वैसे शहर में निगम की विज्ञापन साईटें 100 से अधिक हैं, फिलहाल 22 लाईव कर दी गई हैं, शेष को भी जल्द लाईव कर दिया जाएगा। लेकिन अवैध रूप से बिना अनुमति के विज्ञापन प्रदर्शित करने की अनुमति किसी को नहीं होगी। जो भी व्यक्ति ऐसा करेगा, नगर निगम की एन्फोर्समेंट टीम उसका विज्ञापन उतार देगी और ऐसे विज्ञापन को अवैध माना जाएगा। दोषी व्यक्ति के विरूद्ध, द हरियाणा म्यूनिसिपल एडवरटाईज़मेंट बायलॉज़ 2022 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

यह हैं 22 लोकेशन- विज्ञापन प्रदर्शित करने के लिए लाईव की गई 22 जगहें निम्न प्रकार से हैं। नए बस स्टैण्ड की बाउंडरी वाल का कोना, यूएचबीवीएन कैम्पस की बाहरी दीवार, सेक्टर-9 पुलिस चौकी, हैरीटेज लॉन एंट्री और मुगल कैनाल के बीच का एरिया, नेशनल हाईवे के साथ लगते कम्बोपुरा गांव के ओपन एरिया की 4 साईटें, एनएच पर ही मधुबन पुलिस स्टेशन के पास, कुंजपुरा रोड पर आईटीआई चौक के पास, ताऊ देवी लाल चौक, मुगल कैनाल से सटे हैरीटेज लॉन की ओपोजिट साईट, एनएच पर नमस्ते चौक के पास, एनएच पर ही नई अनाज मंडी के बाहर की साईट, प्रीत पैलेस के ओपोजिट, नए बस स्टैण्ड के एंट्री गेट की बाउंडरी वाल, एचडीएफसी बैंक के ओपोजिट इलैक्ट्रिक स्टेशन दीवार से सटी जगह, पुराने बस स्टैण्ड क्यू शैल्टर के बाहर आई.टी.टी. दीवार, बुढाखेड़ा स्थित नए सामुदायिक केन्द्र के ओपोजिट, वर्मा ज्वैलर्स के ओपोजिट ड्रेन पुल से पहले, सेक्टर-9 सामुदायिक केन्द्र की बाहरी दीवार, सेक्टर 7-8 चौराहे के 75 मीटर आगे तथा सेक्टर-9 मार्केट की दुकान नम्बर 26 के सामने पार्किंग एरिया सेंटर शामिल हैं।

गलत साईड से ओवरटेक करने तथा शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर होगी सख्ती

करनाल। गलत साईड से ओवरटेक करने तथा शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर सख्ती होगी। ऐसे लोगों के ज्यादा से ज्यादा चालान किए जाएंगे। शहर में करीब 7 हजार की संख्या पार कर चुकी सडक़ों पर बेतरतीब दौडक़र दुर्घटनाओं को अंजाम देती ई-रिक्शा के भी रजिस्ट्रेशन और लाईसेंस न होने पर चालान किए जाएंगे। बुधवार को जिला सडक़ सुरक्षा समिति की मासिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने पुलिस विभाग के डीएसपी वीर सिंह और आर.टी.ए. सचिव विजय देशवाल को यह निर्देश देते कहा कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए एक सघन अभियान चलाया जाए। एडीसी ने मीटिंग में मौजूद अधिकारियों से कहा कि अच्छा हो अधिकारी, अपने-अपने विभागों से सम्बंधित सडक़ों में दुर्घटनाओं का कारण बनने वाली खामियों का खुद ही संज्ञान लेकर उनका समाधान करें, ताकि ऐसी शिकायतें एजेंडा में न आएं, सडक़ सुरक्षा जैसा अहम विषय तभी सार्थक होगा। मीटिंग में प्रस्तुत एजेंडा में सडक़ों पर गढ्ढों के कई बिन्दू शामिल थे। एक बिन्दू दून वैली कॉलेज के आगे से होकर ब्रह्मानंद चौक तक जाने वाली सडक़ पर खुले सीवर मेन होल को लेकर था। इस पर एडीसी ने नाराजगी दिखाते कहा कि यह एजेंडा में ही नहीं आना चाहिए था, वैसे भी आर.टी.एस. में प्रावधान है कि ऐसे होल को दो घण्टे के अंदर ढक्कन से कवर कर देना चाहिए, ताकि कोई दुर्घटना न हो। उन्होंने नगर निगम की कार्यकारी अभियंता को निर्देश दिए कि खुले मेन होल पर आज ही ढक्कन लगवाएं। सडक़ों पर गढ्ढे के बिन्दूओं में अधिकांश अधिकारियों ने वर्क डन की रिपोर्ट दी। आई.डी.टी.आर. से सम्बंधित एक बिन्दू में जानकारी दी गई थी कि उक्त संस्थान की ओर से भिन्न-भिन्न केटेगरी के 125 वाहन चालकों को बीते मार्च में प्रशिक्षण दिया गया और 115 को सर्टिफिकेट जारी किए गए। रिपोर्ट में यह भी था कि 19 दिसंबर 2022 से 14 मार्च 2023 के बीच प्रशिक्षणार्थियों की कुल संख्या 514 और सर्टिफिकेट प्राप्त करने वालों की संख्या 324 है। इस बिन्दू पर चर्चा के दौरान गैर सरकारी सदस्य संदीप लाठर ने कहा कि जीएम रोडवेज के कार्यालय तथा आईडीटीआर में प्रशिक्षण के लिए जो फीस स्ट्रक्चर निर्धारित किए गए हैं, उनमें कुछ अंतर है। आईडीटीआर से आए एक प्रतिनिधि ने इस बारे स्पष्ट करते कहा कि सभी शुल्क सरकार की ओर से निर्धारित किए गए हैं, जो संस्थान में प्रशिक्षण, विशेषताओं, सुविधाओं और ज्यादा समय लगाकर ट्रेंड करने के लिए हैं। फिर भी अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि उपायुक्त महोदय से इस बारे डिस्कस करेंगे।

एजेंडा में इंटाग्रेटिड रोड एक्सीडेंट डाटाबेस की प्रोजेक्ट मैनेजर स्वाति गुप्ता की रिपोर्ट भी शामिल थी, जिसमें वर्णन किया गया था कि वर्ष 2022 व 23 की तुलना में जिला में सडक़ दुर्घटनाओं में तो इजाफा हुआ है, लेकिन जानलेवा दुर्घटनाओं में कमी आई है। दुर्घटनाओं का कारण उन्होंने हाई स्पीड, रोंग साईड से ओवर टेक और शराब पीकर गाड़ी चलाना बताया। अतिरिक्त उपायुक्त ने आरटीए सचिव को निर्देश दिए कि लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया जाए। जहां-जहां वलनरेबल पॉयट हैं, उन पर ज्यादा फोकस करें।

आरटीए सचिव की ओर से पुलिस विभाग द्वारा बीते मार्च में किए गए चालान और उनसे रिकवर की गई राशि की जानकारी देते बताया गया कि इस अवधि में पुलिस द्वारा विभिन्न वायलेशन के 9 हजार 944 चालान किए और दोषी व्यक्तियों से 32 लाख 72 हजार 300 रूपये की जुर्माना राशि रिकवर की गई। उन्होंने बताया कि इस अवधि में आरटीए कार्यालय द्वारा भी ओवरलोडिड वाहनो के 672 चालान किए गए और उनके मालिकों से 1 करोड़ 50 लाख 16 हजार रूपये का जुर्माना वसूल किया गया। बता दें कि बीती मार्च की मासिक बैठक में उपायुक्त द्वारा विभिन्न विभागों को रोड सेफ्टी एक्शन प्लान बनाने के निर्देश दिए थे, ताकि सडक़ दुर्घटनाओं में 20 प्रतिशत कमी हो जाए। इस एजेंडा बिन्दू पर एडीसी को आरटीए के इस जवाब से, कि किसी अधिकारी ने अब तक प्लान की रिपोर्ट नहीं दी, हैरत हुई। उन्होंने निर्देश दिए कि अगले 15 दिन में इस तरह का प्लान जरूर तैयार कर लें। यूं तो मासिक एजेंडा 46 बिन्दूओं को लेकर था, जिनमें 30 बिन्दू पिछली मीटिंगों से लंबित चले आ रहे, से सम्बंधित थे। अधिकांश में अधिकारियों ने वर्क डन और प्रगति पर चल रहे की रिपोर्ट दी। चार बिन्दू ड्रॉप कर दिए गए, इतने ही पैंडिंग रहे। चालू मास अप्रैल के 16 बिन्दू थे। अतिरिक्त उपायुक्त ने सभी सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अगली मीटिंग में इन सभी बिन्दूओं पर कार्रवाई करके रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

रेलवे का तोहफा, गर्मी में नहीं होना पड़ेगा परेशान, इन शहरों से चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

फरीदाबाद की आवाज

अंबाला। रेलयात्रियों की सुविधा और अतिरिक्त भीड़भाड़ की निकासी हेतु रेलवे ने आनंद विहार टर्मिनल-उधमपुर, नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा, कालका-शिमला और जम्मूतवी-उदयपुर सिटी के बीच समर स्पेशल ट्रेनों के संचालन का फैसला किया है ताकि यात्रियों को कंफर्म टिकट मिल सके और वो बिना किसी परेशानी के अपना सफर पूरा कर सकें। अंबाला मंडल के वरिष्ठ वाणिज्य अधिकारी वीरेंद्र कादयान ने बताया कि समर स्पेशल ट्रेनों की जानकारी रेलवे वेबसाइट पर अपडेट कर दी गई है। वहीं रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 और वेबसाइट पर भी यात्री ट्रेनों से संबंधित जानकारी हासिल कर सकते हैं।

आनंद विहार टर्मिनल-ऊधमपुर एक्सप्रेस

ट्रेन नंबर 04053 आनंद विहार टर्मिनल-ऊधमपुर आरक्षित एसी एक्सप्रेस स्पेशल प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को 24 अप्रैल से 29 जून तक चलेगी। ट्रेन आनंद विहार से रात 11 बजे रवाना होकर सुबह 4 बजे अंबाला कैंट और दोपहर 1:10 बजे उधमपुर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन 04054 उधमपुर-आनंद विहार टर्मिनल आरक्षित एसी एक्सप्रेस स्पेशल प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को 25 अप्रैल से 30 जून तक चलेगी।

उधमपुर से ट्रेन रात 9:30 बजे रवाना होकर सुबह 5:50 बजे अंबाला कैंट और सुबह 11:15 बजे आनंद विहार पहुंचेगी। बीच रास्ते ट्रेन गाजियाबाद, मेरठ सिटी, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, यमुनानगर-जगाधरी, अंबाला कैंट, लुधियाना, जालंधर कैंट, पठानकोट कैंट और जम्मूतवी रेलवे स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहरेगी। ट्रेन में एसी तृतीय श्रेणी के कोच लगाए जाएंगे।

श्री माता वैष्णो देवी कटरा-नई दिल्ली ट्रेन

ट्रेन नंबर 04672 माता वैष्णो कटरा-नई दिल्ली आरक्षित स्पेशल प्रत्येक रविवार को 23 अप्रैल से दो जुलाई तक चलेगी। ट्रेन कटरा से शाम 6:10 बजे रवाना होकर देर रात 2:25 बजे अंबाला कैंट और सुबह 6:40 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 04671 नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्पेशल प्रत्येक सोमवार को 24 अप्रैल से 3 जुलाई तक चलेगी।

नई दिल्ली से ट्रेन रात 11:30 बजे रवाना होकर देर रात 2:35 बजे अंबाला कैंट और रात 12 बजे कटरा पहुंचेगी। बीच रास्ते ट्रेन उधमपुर, जम्मूतवी, पठानकोट कैंट, जालंधर कैंट,लुधियाना, अंबाला कैंट, कुरुक्षेत्र, करनाल, पानीपत व सोनीपत रेलवे स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहरेगी। ट्रेन में एसी सहित स्लीपर व जनरल कोच लगे होंगे।

कालका-शिमला एक्सप्रेस

ट्रेन नंबर 04505 कालका-शिमला अनारक्षित मेल एक्सप्रेस स्पेशल रोजाना 23 अप्रैल से 30 जून तक चलेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 04506 शिमला-कालका 24 अप्रैल से एक जुलाई तक रोजाना चलेगी। कालका से ट्रेन दोपहर 1:05 बजे रवाना होकर शाम 7:30 बजे शिमला पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन शिमला से सुबह 9:20 बजे रवाना होकर दोपहर 3:50 बजे कालका पहुंचेगी। बीच रास्ते ट्रेन सॉनवारा, धर्मपुर, बड़ोग, सोलन, सलोगरा, कंडाघाट, शोगी, तारादेवी व जटोग रेलवे स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहरेगी। ट्रेन में जनरल श्रेणी के कोच लगे होंगे।

जम्मूतवी-उदयपुर सिटी गरीब रथ एक्सप्रेस

ट्रेन नंबर 04656 जम्मूतवी-उदयपुर सिटी गरीब रथ एक्सप्रेस स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को 27 अप्रैल से 29 जून तक चलेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 04655 उदयपुर सिटी-जम्मूतवी प्रत्येक शुक्रवार को 28 अप्रैल से 30 जून तक चलेगी। जम्मूतवी से ट्रेन सुबह 5:45 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 7:30 बजे उदयपुर पहुंचेगी। उदयपुर से ट्रेन दोपहर 2:20 बजे रवाना होकर अगले दिन दोपहर 1:10 बजे जम्मूतवी पहुंचेगी। बीच रास्ते ट्रेन पठानकोट कैंट, जालंधर कैंट, लुधियाना, धूरी, जाखल, हिसार, भिवानी, रेवाड़ी, अलवर, बांदीकुई, जयपुर, किशनगढ़, मादार, अजमेर, नसीराबाद, बैजनगर, भीलवाड़ा, चंदेरिया, बीरच और मावली रेलवे स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहरेगी।

रेवले में होगी 13518 पूर्व सैनिकों की भर्ती, 10वीं पास होना जरूरी

अंबाला। रेलवे में अब सेवानिवृत्त सैनिकों की भर्ती भी होगी। विभिन्न पदों पर इन पूर्व सैनिकों की भर्ती की जाएगी। गुजरात रेलवे के लिए इन सैनिकों की भर्ती अंबाला कैंट के सेना क्षेत्र स्थित खड्गा स्टेडियम में 27 अप्रैल से होगी। यह भर्ती एजेंसी के माध्यम से की जाएगी, जो रेलवे में 13518 पूर्व सैनिकों को कांट्रेक्ट बेस पर रखेगी। अंबाला रेल मंडल ने भी पूर्व सैनिकों के लिए दो बार एजेंसी के माध्यम से भर्ती के लिए विज्ञापन तो दिया, लेकिन अभी कोई आवेदन नहीं आया। देश भर में अलग-अलग मंडल इसी तरह से विज्ञापन दे रहे हैं। इससे जहां पूर्व सैनिकों का अनुभव मिलेगा, वहीं पेंशन पर पड़ने वाला बोझ भी कम होगा।सूत्रों के अनुसार गेट्समैन और ग्रुप डी में आने वाले कई पदों में एक्स-सर्विसमैन की एंट्री होने जा रही है। इसमें आवेदक दसवीं पास हो और आयु 54 साल तक होनी चाहिए। एक्स-सर्विसमैन का रेलवे से कोई लेना देना नहीं होगा। रेलवे एजेंसी को कांट्रेक्ट देगा जो इन कर्मचारियों से डील करेगी। रेलवे पर सालाना पेंशन का अरबों रुपये का बोझ पड़ता है। इस तरह की कांट्रेक्ट बेस भर्ती से यह बोझ कम होगा। अंबाला में आर्मी वेलफेयर प्लेसमेंट आर्गेनाइजेशन अंबाला गेट्समैन की भर्ती के लिए पूर्व सैनिकों को बुला रहा है। आवेदकों के दस्तावेज अंबाला में ही चेक किए जाएंगे। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद पात्र आवेदकों को भर्ती के लिए आमंत्रित किया जाएगा। ये सभी आवेदक अंबाला कैंट के सेना क्षेत्र स्थित खड्गा स्टेडियम में एकत्रित होंगे, जहां विभिन्न प्रक्रियाओं से गुजरना होगा। रेलवे में अलग-अलग चरणों में यह भर्ती प्रक्रिया चल रही है। बताया जाता है कि मध्य रेलवे मुंबई में 1870 पदों पर भर्ती होनी है। इसी तरह पूर्व मध्य रेलवे में पटना में 713, जबकि ईस्ट कोस्ट रेलवे भुवनेश्वर में 510 भर्ती

होनी हैं। इसी तरह सेंट्रल वेस्ट कोलकाता एंड मेट्रो के लिए 2175, उत्तर मध्य रेलवे इलाहाबाद एवं डीएलडब्ल्यू में 948, पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर व आरडीएसओ एमसीएफ में 802, उत्तर पश्चिम रेलवे में 1049, उत्तर पूर्वोत्तर फ्रंटियर रेलवे में 575, उत्तर रेलवे में 2630, दक्षिण मध्य रेलवे में 1867, दक्षिण पूर्व रेलवे में 333, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 965, दक्षिण पश्चिम रेलवे में 1433, दक्षिण रेलवे व आइसीएफ में 1914, पश्चिम मध्य रेलवे में 804, पश्चिम रेलवे में 2146 पदों पर भर्ती होनी है। इन में से कुछ पर यह भर्ती हो चुकी है, जबकि कुछ पर अभी होनी है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने अजय चौटाला को बताया नशेड़ी, जेपी का दावा

दुष्यंत की जीत के लिए अजय चौटाला मेरे पास गिड़गिड़ाने आया था

हिसार। हरियाणा के कांग्रेसी नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री जय प्रकाश ने जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला को नशेड़ी बताया है। जय प्रकाश ने दावा किया कि ये लोग खुद उसके नौकर रह चुके हैं। इतना ही नहीं दुष्यंत चौटाला के पहले लोकसभा चुनाव में अजय उसके पास आकर गिड़गिड़ाने लगा था, इसलिए उसके समर्थन से ही वह अपना पहला लोकसभा चुनाव जीता। दरअसल कुछ दिनों पहले जजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला ने जयप्रकाश को अपना नौकर बताते हुए कहा था कि वह तो ट्रेक्टर चलाता था और हमने उसे नेता बना दिया। पूर्व केंद्रीय मंत्री का उपरोक्त बयान अजय चौटाला के इन शब्दों के जवाब के रुप में है। जयप्रकाश हिसार से लोकसभा सांसद रह चुके हैं और अभी हाल ही में आदमपुर उप चुनाव लड़ा था।

अजय चौटाला खुशामद करने मेरे पास आया

पूर्व केंद्रीय मंत्री जयप्रकाश ने कहा कि वह अपनी मेहनत के बल पर ट्रेक्टर चलाते हुए नेता बना है। व्यापार करना बुरी बात नहीं है। अजय चौटाला 1993 में खुशामद करने मेरे पास आया है। सत्ता में आकर इनके पिता ओपी चौटाला ने अपने एक साथी प्रोफेसर सतबीर से 2 करोड़ का प्रॉफिट लेने के लिए हत्या का मुकदमा दर्ज किया। सत्ता में रहते हुए इन्होंने जो काम किए वो कोई नहीं कर सकता। यदि यह गलत बात है कि चौटाला परिवार इसका जवाब दे दें।

नशे में डूबा है चौटाला परिवार-जेपी ने कहा कि राजनीतिक तौर पर अजय चौटाला का परिवार खत्म हो चुका है। यह परिवार नशे में डूबा हुआ है। उसका चैलेंज है कि अजय चौटाला अपना डोप टेस्ट करवाए। शराब पीकर ये कांफ्रेस करता है। मैं जजपा में विश्वास रखने वाले साथियों से कहूंगा कि ऐसे नशेड़ियों से पीछा छुड़वा लो भाई। अजय चौटाला तो ऑक है।

कांग्रेसी नेता ने कहा कि अजय चौटाला 1989 तक मेरे नारे लगाते था। ये ना तो तीन में था 13 में। हम न्याय युद्ध से निकले हुए लोग है। मैं अपने सैंकड़ों साथियों के साथ इलाहाबाद न जाता और ग्रीन बिग्रेड न बनाता तो चौधरी देवीलाल का नाम न होता। अजय चौटाला किसी भी आंदोलन में नहीं दिखा। 1991 में घिराय में चौधरी देवीलाल ने चुनाव लड़ा और इस चुनाव का इंचार्ज अजय चौटाला था। यह चुनाव चौधरी देवीलाल हार गए। जिसकी वजह अजय सिंह बना। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अजय चौटाला का परिवार अपना कुर्सीनामा लेकर आए। मैं भी अपना कुर्सीनामा लेकर आऊंगा। ये तो राजस्थान के है। कुर्सीनामा आकर मिला लें। मैं इन्हें बताऊंगा कि मेरा खानदान क्या है और इनका खानदान क्या है।

पुलिस डायरी

यातायात पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर

सीट बेल्ट न पहनने वाले 141 यात्रियों का चालान काटकर लगाया 1.41 लाख रुपए का जुर्माना

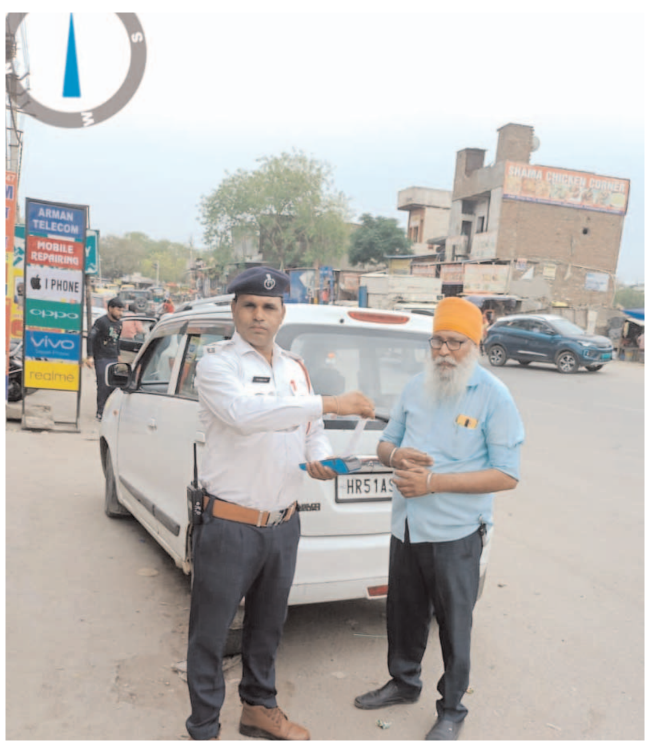

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। डीसीपी ट्रेफिक अमित यशवर्धन के दिशा निर्देश के तहत कार्रवाई करते हुए फरीदाबाद के ट्रैफिक पुलिस ने एक दिन का विशेष अभियान चलाकर सीट बेल्ट न पहनने वाले वाहन चालकों व यात्रियों का चालान काटकर उन्हें सीट बेल्ट पहनने के लिए जागरूक किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि फरीदाबाद पुलिस द्वारा शहर वासियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें यातायात नियमों व सड़क सुरक्षा के बारे में लगातार जागरूक किया जा रहा है परंतु कुछ यात्री नियमों की अनदेखी करते हुए यातायात नियमों का पालन नहीं करते इसलिए उनके खिलाफ एक विशेष अभियान चलाकर डीसीपी ट्रैफिक अमित यशवर्धन के मार्गदर्शन में आज सीट बेल्ट न पहनने वाले वाहन चालकों व यात्रियों के चालान काटे गए। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सीट बेल्ट के कुल 141 चालान काटे गए जिसमें 90 चालान वाहन चालक, 32 चालान कंडक्टर सीट पर बैठे सहयात्री तथा 19 चालान पीछे वाली सीट पर बैठे हुए यात्रियों के शामिल है जिन्होंने सीट बेल्ट नहीं लगा रखी थी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस ने 141 चालान काटकर 1.41 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है और साथ ही यात्रियों को सीट बेल्ट पहनने के लिए जागरूक किया जा रहा है। सीट बेल्ट का उपयोग यात्रा करते समय सड़क दुर्घटना से बचाव के लिए किया जाता है परंतु कुछ लोग इसकी अनदेखी करते हैं जिसका परिणाम उन्हें बाद में भुगतना पड़ता है। फरीदाबाद पुलिस का यह लगातार प्रयास रहता है कि शहरवासियों को सड़क दुर्घटनाओं से बचाया जा सके और यात्री सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंच सके। पुलिस प्रवक्ता ने नागरिकों से अपील की कि वह सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और सड़क पर यात्रा करते समय सुरक्षा यंत्रों का पूरा उपयोग करें ताकि उनका सड़क दुर्घटना से बचाव हो सके।

डीसीपी नरेंद्र कादियान ने सारण एरिया में पुलिस बल के साथ निकाला पैदल मार्च

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा के निर्देश के तहत डीसीपी एनआईटी नरेंद्र कादयान ने अपनी टीम के साथ पैदल यात्रा 5:00 बजे सारण थाना एरिया में पैदल मार्च निकालकर आमजन से पुलिस कार्यो के बारे में फीडबैक लिया तथा उनकी समस्याएं सुनी। इस अवसर पर उनके साथ थाना सारण,मुजेसर, डबुआ, कोतवाली, सहित एरिया के थाना प्रभारी अपनी पूरी टीम के साथ पैदल मार्च में मौजूद रहे। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गृह मंत्रालय व पुलिस महानिदेशक पंचकूला द्वारा दिए गए आदेश व पुलिस आयुक्त के निर्देशानुसार डीसीपी एनआईटी ने सारण थाना एरिया में पुलिस फोर्स के साथ पैदल मार्च निकाला। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस पैदल मार्च का उद्देश्य पुलिस और जनता के बीच तालमेल बिठाकर समाज में भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही बड़ी संख्या में पुलिस द्वारा पैदल मार्च निकालने पर आपराधिक किस्म के व्यक्ति के मन में पुलिस का खौफ पैदा होता है और वह अपराधिक गतिविधियां

अंजाम देने से डरता है। यह पैदल मार्च 5:00 बजे थाना सारण चौक से 45 फुट रोड, सारण स्कूल होते हुए मेन मार्केट जवाहर कॉलोनी से डिस्पोजल चौक तथा 60 फुट रोड, सारण रोड नियर चौक सरपंच चौक से होती हुई पुलिस चौकी तक निकाली गई। डीसीपी द्वारा निकाले गए पैदल मार्च में उन्होंने आमजन को नशे से बचने की बात कही अगर आपके एरिया में कोई नशे की अवैध सामन जैसे गांजा, अफिम, शराब इत्यादि बेचता है तो आप पुलिस को तुरंत सुचित करे। उन्होने लोगो के साथ बातचीत करी और उनसे फरीदाबाद पुलिस के कार्यों के बारे में फीडबैक लिया। यह पैदल मार्च फरीदाबाद के विभिन्न एरिया में अलग-अलग समय पर आयोजित किया जाएगा और आमजन को विभिन्न सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूक करके शहर में कानून व्यवस्था सुदृढ़ करना सुनिश्चित किया जाएगा। पैदल मार्च के दौरान डीसीपी ने आमजन को सामाजिक शांति व्यवस्था कायम रखने तथा भाईचारे की भावना बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज में रह रहे नागरिक पुलिस का सहयोग करके शहर में शांति व्यवस्था को कायम रखने में पुलिस की मदद कर सकते हैं। इससे न केवल पुलिस को सहयोग मिलेगा बल्कि शहर में अपराधिक वारदातों पर भी लगाम लगेगी। इसलिए आमजन पुलिस से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना तुरंत 112 पर दें ताकि पुलिस समय पर कार्यवाही करके कानून व्यवस्था को कायम रख सके।

क्राइम ब्रांच 17 ने हत्या के मुकदमे में 18 साल से फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। डीसीपी क्राइम मुकेश कुमार मल्होत्रा के दिशा निर्देश के तहत कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच 17 प्रभारी श्यामबीर व उनकी टीम ने हत्या के मुकदमे में 18 साल से फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मोहम्मद इस्लाम तथा मोहम्मद आजाद का नाम शामिल है। आरोपी आजाद यूपी के मुरादाबाद तथा आरोपी इस्लाम नोएडा का रहने वाला है। वर्ष 1999 में आरोपियों का पलवल के रहने वाले जयपाल व उसके भतीजे के साथ फ़रीदाबाद में लड़ाई झगड़ा हो गया था जिसमें आरोपी ने पीड़ित पक्ष के सुंदर नाम के व्यक्ति के सिर में लोहे की रॉड मारकर उसकी हत्या कर दी थी जिसके लिए फरीदाबाद के एनआईटी थाने में हत्या की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था जिसमें आरोपी इस्लाम व उसके 4 भाई तथा पिता को माननीय अदालत ने दोषी करार देते हुए 20 साल की सजा सुनाई थी। वर्ष 2005 में अदालत द्वारा आरोपियों को पैरोल पर छोड़ा गया था तब से आरोपी मोहम्मद इस्लाम, मोहम्मद आजाद तथा मोहम्मद जहांगीर फरार चल रहे थे जिसमें वर्ष 2007 में आरोपी जहांगीर की मृत्यु हो गई थी।

आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए ठिकाने बदल बदल कर रहे थे जिन्हें पुलिस ने गुप्त सूत्रों की सूचना के आधार पर आरोपी सलाम और आजाद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी जेल से बाहर आने के बाद फरार हो गए थे और पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए ठिकाने बदल बदल कर रहने लगे जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ पूरी होने के पश्चात दोनों आरोपियों को अदालत में पेश करके जेल भेज दिया गया है।

क्राइम ब्रांच सेंट्रल ने लूट की योजना बनाते दो आरोपियों को अवैध हथियार सहित किया गिरफ्तार

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। डीसीपी क्राइम मुकेश कुमार मल्होत्रा के दिशा निर्देश के तहत कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच सेंट्रल प्रभारी जगमिंदर सिंह व उनकी टीम ने लूट की योजना बनाते दो आरोपियों को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में राकेश तथा सगीर का नाम शामिल है। दोनों आरोपी फरीदाबाद की इंदिरा कॉलोनी के रहने वाले हैं। क्राइम ब्रांच की टीम ने गुप्त सूत्रों की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को सेक्टर 78 से गांव फरीदपुर की तरफ जाने वाली सड़क से अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से एक बटन दार चाकू तथा एक लोहे का सरिया बरामद किया गया। दोनों आरोपी लूट की योजना बना रहे थे और सड़क से जाने वाले राहगीरों को लूटने की फिराक में घात लगाए बैठे थे। क्राइम ब्रांच की टीम दोनों आरोपियों को बीपीटीपी थाने लेकर आई और उनके खिलाफ लूट की योजना बनाने तथा अवैध हथियार अधिनियम की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करके मामले में पूछताछ शुरू की गई। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने इससे

पहले चोरी की दो वारदातों को अंजाम दिया था। दोनों आरोपियों के कब्जे से पूर्व में की गई दो वारदातों में ?35000 नकद बरामद किए गए। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी इससे पहले भी लूट व चोरी के मुकदमे में जेल की हवा खा चुके हैं। पुलिस पूछताछ पूरी होने के पश्चात दोनों आरोपियों को अदालत में पेश करके जेल भेज दिया गया है।

अक्षय तृतीया व ईद के अवसर पर फरीदाबाद पुलिस पूरी तरह अलर्ट, धार्मिक स्थलों के बाहर लगातार पेट्रोलिंग करेंगे पुलिसकर्मी

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद- अक्षय तृतीया व ईद के त्यौहार को देखते हुए पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोडा ने सभी डीसीपी, सहायक पुलिस आयुक्त तथा थाना व चौकी प्रभारियों को अपने अपने ऐरिया पेट्रोलिंग करके शहर में शांति व्यवस्था कायम रखने के दिए निर्देश। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि पुलिस आयुक्त ने निर्देश देते हुए कहां है ईद के अवसर पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त सतर्क रहें। सभी थाना चौकी प्रभारी अपने-अपने एरिया में अलर्ट रहेंगे। ईद के अवसर पर कुछ उपद्रवी लोग धार्मिक सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश करते हैं परंतु फरीदाबाद पुलिस इस प्रकार के तत्वों से निपटने के लिए पूरी तरह सक्षम है और यदि कोई भी व्यक्ति समाज में शांति भंग करने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। ईद के नाम पर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा हुड़दंग बाजी कर कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश की जाती है ऐसे उपद्रवियों के साथ सख्ती से निपटा जाएगा और उनके खिलाफ सख्त कानून कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आमजन शांतिपूर्वक तरीके से त्योहार को सेलिब्रेट करें तथा किसी भी प्रकार की भड़काऊ बयानबाजी में आकर हुड़दंगबाजी ना करें। ऐसे में पुलिस द्वारा उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर कुछ लोग नाबालिक लड़कियों की शादियां कर देते हैं जोकि कानूनन अपराध है ऐसा करने वालों के खिलाफ पुलिस द्वारा कानून के तहत सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। नागरिकों से अनुरोध है कि यदि उन्हें किसी नाबालिक लड़की की शादी के बारे में जानकारी हो तो वह इसकी सूचना पुलिस हेल्पलाइन डायल 112 या महिला हेल्पलाइन 1098 पर दें। आमजन से अनुरोध है कि वह शांति व्यवस्था बनाए रखें तथा पुलिस के कार्य में सहयोग करें तथा अपने मित्रों को भी शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए प्रोत्साहित करें।

बॉडी नहीं बनाती ओमेगा-3, शाकाहारी लोगों के लिए बहुत जरूरी हैं ये बीज

ओमेगा 3 एक जरूरी फैटी एसिड है, जिसे शरीर नहीं बना पाता है। इसलिए इसकी कमी का खतरा काफी ज्यादा होता है। जिससे बचने के लिए इन फूड्स का सेवन करना चाहिए।

शरीर को कई तरह के फैट की जरूरत होती है ताकि शरीर का काम सही चलता रहे। मगर ओमेगा-3 फैटी एसिड को बॉडी खुद नहीं बना पाती है और उसे फूड्स पर निर्भर रहना पड़ता है। वरना शरीर में इसकी भारी कमी हो सकती है।

सेल्स के फंक्शन के लिए यह न्यूट्रिएंट बहुत जरूरी होता है। शरीर में ओमेगा-3 की कमी से कई सारी दिक्कतें होने लगती हैं। जिनके बारे में न्यूट्रिशनिस्ट किरण कुकरेजा ने जानकारी दी है। एक्सपर्ट ने इसे पाने के लिए कुछ फूड्स खाने की सलाह भी दी है।

ओमेगा-3 की कमी से झेलनी होगी ये दिक्कतें

ड्राई स्किन, हेयर और आई

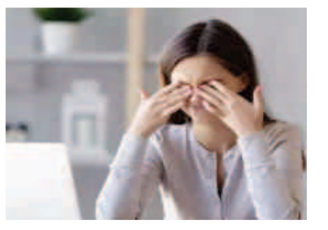

हेल्दी स्किन और हेयर के लिए ओमेगा-3 फैटी एसिड बहुत जरूरी है। वहीं, आंखों की नमी और रेटिना में इसका हाई कंसंट्रेशन होता है। इसलिए इसकी डेफिशिएंसी त्वचा, बाल और आंखों में रूखापन कर सकती है।

नाखून हो जाएंगे कमजोर

नाखूनों की सेल्स को जोड़े रखने के लिए भी यह फैट जरूरी होता है। इसके कम होने पर सेल्स मेंब्रेन ढीले और कमजोर होने लगते हैं। जिससे नाखून कमजोर और नाजुक हो जाते हैं।

बीमारियों का घर बनेगा दिल

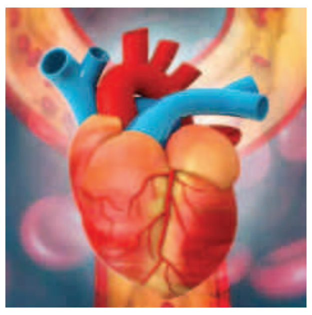

ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी से दिल बीमारियों का घर बन सकता है। क्योंकि, यह कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। जो कि नसों को सिकोड़ने और डैमेज करके दिल की बीमारियों का प्रमुख कारण बनती हैं।

शाकाहारी लोगों के लिए ओमेगा-3 फूड

शाकाहारी लोग इसे पाने के लिए अलसी के बीज, चिया सीड्स और अखरोट का सेवन कर सकते हैं। इनमें इसका प्रकार अल्फा लिनोलेनिक एसिड (एएलए) प्रचुर मात्रा में होता है। साथ में फोर्टिफाइड दूध, योगर्ट आदि का सेवन भी कर सकते हैं।

ओमेगा-3 के नॉन वेजिटेरियन फूड

मछलियों में ओमेगा-3 फैट काफी होता है। इसके लिए सैल्मन, मैक्रेल, टूना, सार्डिन आदि फैटी फिश का सेवन कर सकते हैं।

गर्मी के मौसम में मसाज के फायदे

गर्मियों का मौसम आ चुका है। इस मौसम में बाहर निकलने पर बढ़ती धूप और गर्म हवा आपको परेशान कर देती है। इसके अलावा रोज की भागदौड़ भरी दिनचर्या लोगों को थका देती है। इसके बाद शरीर पर थकान हावी हो जाती है। इसके बाद कुछ भी करने का मन नहीं करता है। यदि आपको इस मौसम में तरोताजा रहना है तो मसाज एक अच्छा उपाय हो सकता है। मसाज लेने के बाद आप एक बार फिर से तन और मन से ताजगी महसूस करने लगते हैं।

मसाज के फायदे

- मसाज से मांसपेशियो की सिकुड़ने और फैलने की क्षमता में बढोत्तरी होती है। इसके अलावा मेटाबॉलिजम का कार्य सही से होने लगता है।
- मसाज से ब्लड सर्कुलेशन सुचारु रूप से काम करता है।
- मसाज करने से नींद अच्छी आती है। जिसके चलते आंखों की रोशनी बढ़ती है। और स्किन चमकदार बन जाती है।
- मसाज करने के दौरान लंबी-लंबी सांसें लेने से शरीर के अंदर मौजूद कई विकार बाहर निकल जाते हैं। इसके बाद शरीर में स्फूर्ति आ जाती है।
- मसाज रोज करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है।
- मसाज से रंग में निखार आता है और स्किन चमकदार बन जाती है।
- मसाज से मस्तिष्क में तरावट एवं मानसिक शक्ति का अनुभव होता है।
- मसाज के बाद स्किन के छिद्रों में तेल भरे रहने से जीवाणुओं शरीर के अंदर जाने का खतरा नहीं रहता है।

इनकी भी होती है मसाज

- माथे की मसाज
- गालों की मालिश
- ठुड्डी की मसाज
- गर्दन की मसाज

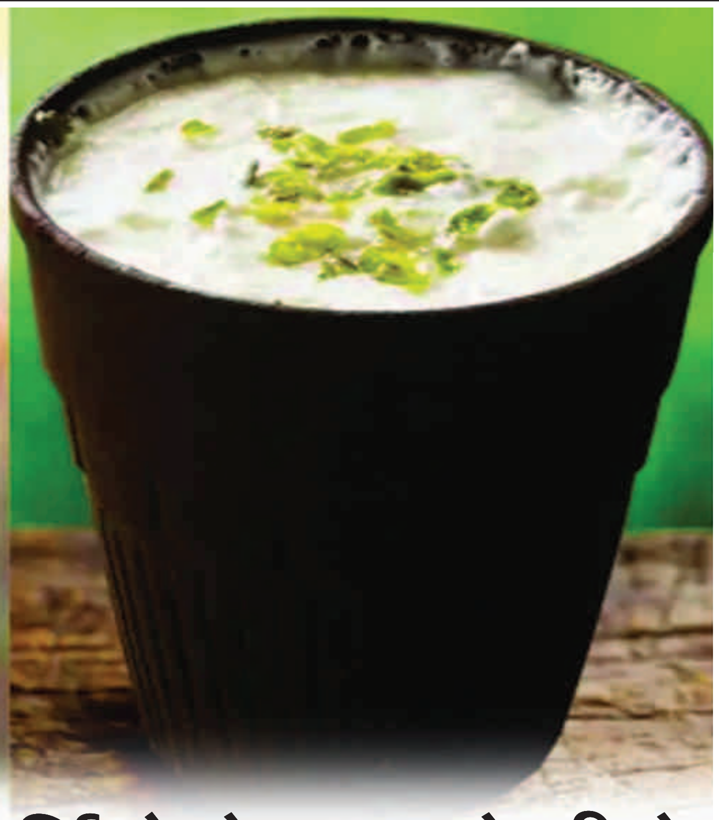

गर्मियों में खाएं ये चीजें चिलचिलाती गर्मी में भी शरीर रहेगा ठंडा

गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है।

भारत में गर्मियों का मौसम जारी है और कई जगहों पर पारा 40 डिग्री को भी पार कर गया है। गर्मी की वजह से घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। भाषण गर्मी में पंखा और कूलर भी साथ नहीं दे रहे हैं। अगले कुछ हफ्तों में गर्मी का सितम और बढ़ेगा और ऐसा वक्त आ जाएगा जब एसी भी काम नहीं करेगी। जाहिर है गर्मी का शरीर पर सबसे ज्यादा बुरा प्रभाव पड़ता है।

गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन की वजह से चक्कर आना, सिरदर्द, ऊर्जा की कमी, भ्रम और यहां तक कि बेहोशी जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। डाइट एक्सप्रेशन की फाउंडर और न्यूट्रिशनिस्ट पारुल के अनुसार, गर्मियों में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए सिर्फ पानी काफी नहीं है। आपके खाने में कार्ब्स, विटामिन और मिनरल वाली चीजें भी उतनी ही जरूरी हैं। कुछ चीजें हैं जिनका गर्मियों में सेवन करने से शरीर को ठंडा रखा जा सकता है और किसी भी तरह की समस्या से बचा जा सकता है।

केला और अवोकेडो

इन दोनों फलों में कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है। इसके अलाव यह फाइबर के अच्छे स्रोत हैं। यह दोनों इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं। इन दोनों का शरीर पर ठंडा प्रभाव पड़ता है।

लौकी परिवार की सब्जियां

गर्मियों के दिनों शरीर को ठंडा रखने के लिए आपको लौकी परिवार की सब्जियां जैसे लौकी, कद्दू, करेला, तुरई आदि का खूब सेवन करना चाहिए। इनमें पानी की मात्रा होने के साथ सभी जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं।

साब्जा सीड्स

इन छोटे-छोटे बीजों में फाइबर और प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है। इसके अलावा यह ओमेगा-3 फैटी एसिड, पोटैशियम, विटामिन सी आदि का भी भंडार है। यह तत्व गर्मी को कम करते हैं और पेट को ठंडा रखते हैं।

खट्टे फल

जूस वाले खट्टे फल जैसे संतरे, नींबू, कीनू और मौसंबी आदि में जरूरी पोषक तव जैसे विटामिन ए, बी और सी पाया जाता है। यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं।

दही

घर की बनी दही पोषक तत्वों का खजाना है और यह पेट के लिए एक नैचुरल प्रोबायोटिक है, जो शरीर को ठंडा रख सकती है। आप खाने में दही या इसका रायता बनाकर इस्तेमाल करें।

स्वाद के साथ सेहत की खान है आम

स्वाद के साथ फायदों की खान है आम। जी हां, आम को फलों का राजा माना जाता है। गर्मियां तो बिना आम के सेवन अधूरी है। आप कोई भी फल खा लें लेकिन आम को अपनी फ्रूट बास्केट में शामिल करना न भूलें। स्वाद के साथ आम खाने के कई फायदे हैं।

कैंसर से बचाव

आम में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट कोलोन कैंसर, ल्यूकेमिया और प्रोस्टेट कैंसर से बचाव में फायदेमंद है। इसमें क्यूर्सेटिन, एस्ट्रागालिन और फिसेटिन जैसे ऐसे कई तत्व होते हैं जो कैंसर से बचाव करने में मददगार होते हैं।

कोलेस्ट्रॉल नियमित रखने में

आम में फाइबर और विटामिन सी खूब होता है। इससे बैड कोलेस्ट्रॉल संतुलन बनाने में मदद मिलती है।

पाचन क्रिया को ठीक रखने में

आम में ऐसे कई एंजाइम्स होते हैं जो प्रोटीन को तोड़ने का काम करते हैं। इससे भोजन जल्दी पच जाता है। साथ ही इसमें उपस्थित साइट्रिक एसिड, टरटैरिक एसिड शरीर के भीतर क्षारीय तत्वों को संतुलित बनाए रखता है।

स्मरण शक्ति में मददगार

जिन लोगों को भूलने की बीमारी हो उन्हें आम का सेवन करना चाहिए। इसमें पाया जाने वाला ग्लूटामिन एसिड नामक एक तत्व स्मरण शक्ति को बढ़ाने में उत्प्रेरक की तरह काम करता है। साथ ही इससे रक्त कोशिकाएं भी सक्रिय होती हैं। इसीलिए गर्भवती महिलाओं को आम खाने की सलाह दी जाती है।

त्वचा के लिए है फायदेमंद

आम के गुदे का पैक लगाने या फिर उसे चेहरे पर मलने से चेहरे पर निखार आता है और विटामिन सी संक्रमण से भी बचाव करता है।

मोटापा कम करने में

मोटापा कम करने के लिए भी आम एक अच्छा उपाय है। आम की गुठली में मौजूद रेशे शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में बहुत फायदेमंद होते हैं। आम खाने के बाद भूख कम लगती है, जिससे ओवर ईटिंग का खतरा कम हो जाता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में

आम खाने से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है।

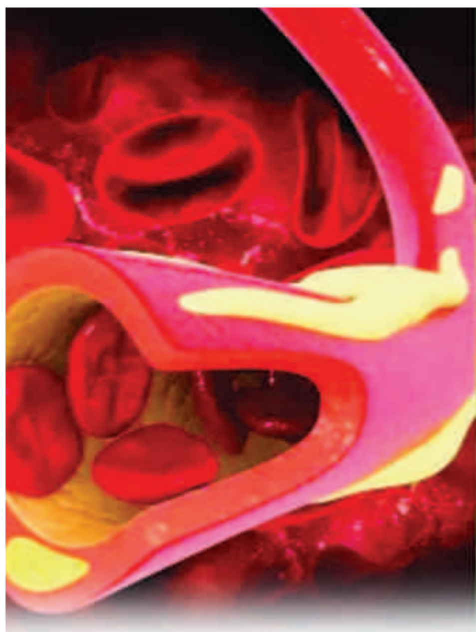

आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण हैं। कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं।

खून की नसों में चिपके जिद्दी कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकाल देंगे गर्मियों के ये 5 फल

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना आजकल की एक गंभीर और आम समस्या बन गई है। आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण हैं। यह कोई आम समस्या नहीं है और इससे दिल से जुड़े रोगों, स्ट्रोक यानी दिमाग का दौरा और हार्ट अटैक जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियों का खतरा है। कोलेस्ट्रॉल शरीर की हर कोशिका में पाया जाता है। यह शरीर के लिए जरूरी भी है लेकिन वो अच्छा कोलेस्ट्रॉल होता है। अच्छा कोलेस्ट्रॉल खाद्य पदार्थों का पाचन, हार्मोन का उत्पादन और अन्य कई काम करता है। यह सभी कचरे और विषाक्त पदार्थों को वापस लीवर में पहुंचाता है। लेकिन एक खराब कोलेस्ट्रॉल भी है, जो धमनियों की दीवारों पर पट्टिका की एक परत बनाता है, जिससे रक्त का प्रवाह मुश्किल हो जाता है, जो आगे चलकर हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज और स्ट्रोक का कारण बन सकता है।

कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं। चूंकि गर्मियों का मौसम जारी है, तो ऐसे में आपको इन सस्ते फलों का खून सेवन करना चाहिए जिससे शरीर से यह गंदा पदार्थ बाहर निकल सके और आपका ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बना रहे।

पपीता

फाइबर से भरपूर पपीता हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। यह खराब कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी कंट्रोल करता है। फाइबर पाचन को बेहतर बनाने में सहायक है और यह आंतों की भी सफाई करता है।

अंगूर

एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, अंगूर फाइबर का एक बेहतर स्रोत है। इस तरह अंगूर का नियमित सेवन कोलेस्ट्रॉल लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करता है। अंगूर वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है, जिसे हृदय रोगों के पीछे एक और कारण बताया जाता है।

खट्टे फल

गर्मियों में सभी तरह के खट्टे फल खाना दिल से जुड़ी बीमारियों को दूर करने में फायदेमंद साबित हो सकते हैं। आप अपने खाने में नींबू और संतरे जैसे खट्टे फल शामिल कर सकते हैं क्योंकि यह विटामिन सी से भरे होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को भी बढ़ाते हैं।

सेब

सेब एक ऐसा फल है, जो सिर्फ कोलेस्ट्रॉल ही नहीं बल्कि शरीर में जमा अन्य गंदे पदार्थों को भी कम कर सकता है. सभी हृदय रोगियों को अपने खाने में सेब को शामिल करना चाहिए क्योंकि यह कोलेस्ट्रॉल लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करता है। सेब में फाइबर पेक्टिन की मौजूदगी कोलेस्ट्रॉल लाल को कम करने में मदद करती है।

स्ट्रॉबेरी

एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, मानव शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने के लिए स्ट्रॉबेरी एक बेहतर फ्रूट है। यह एंटीऑक्सिडेंट का बेहतर स्रोत है, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा यह विटामिन का भंडार है और इसमें कैलोरी बहुत कम होती है।

बच्चों को सिखाएं हेल्दी फूड हैबिट

बच्चों के बड़े होने पर उन्हें पोषण देने के लिए जरूरी है कि बचपन से ही उन्हें अच्छा पोषण दिया जाए। लेकिन उसके लिए सही शुरुआत करें और स्वस्थ खाना सिखाएं। बच्चे इन स्वस्थ आदतों को खुद अनुभव करके और दूसरों को देखकर सीखते हैं। बच्चों को अच्छी खाने की आदतें सिखाना शुरू करना कभी भी जल्दी नहीं होता है। इसके लिए आप नीचे दिए टिप्स भी अपना सकते हैं जिससे बच्चे सही समय पर स्वस्थ खाना सीखें जो उन्हें बड़े होने तक फायदा पहुंचाएगा।

सभी साथ बैठकर खाएं

एक परिवार के रूप में एक साथ खाना खानाज जरूरी है। बच्चों को सिखाएं कि सभी साथ बैठें। इससे बच्चों के सामने आप हर तरह की सब्जियां खाकर दिखाएंगे तो वो भी आपसे सीखेंगे। साथ ही उन्हें लोगों के सामने व्यवहार करना भी आएगा। इससे एक फायदा होगा कि बच्चा खाना खाते समय फोन या टीवी भी नहीं देखेगा।

बच्चों को चुनने दें

जरूरी नहीं जो हम खा रहे हों वो सभी चीजें बच्चे खाएं। बच्चों के लिए अलग से खाना न बनाएं लेकिन जो आप बना रहे हैं या बड़े खा रहे हैं वो सभी चीज बच्चों को जबरदस्ती न खिलाएं। बच्चों को खुद चुनने दें कि वो इन सबमें से क्या खाना चाहते हैं।

अपनी कोशिश जारी रखें

बच्चों को हेल्दी फूड हैबिट सिखाने में समय लग सकता है। ऐसे में अपनी कोशिश न छोड़ें। शुरुआत में बच्चे नखरे करेंगे लेकिन आपकी कोशिश जारी रही तो बच्चों की आदत भी बदलेगी। कभी-कभी बच्चों को यह चुनने दें कि खाने में क्या सब्जी बननी चाहिए। साथ ही उन्हें उसे बनाने में मदद के लिए कहें।

लालच देकर न खिलाएं

बच्चों को लालच देकर खाना खत्म करने को न कहें। बच्चों को डेजर्ट के लालच में खाना खाने को न कहें। कई माता-पिता इस बात पर जोर देते हैं कि अगर बच्चे पूरा खाना खाएंगे तो उन्हें मिठाई मिलेगी। ऐसा न करें। उन्हें भूख के अनुसार खाना सिखाएं।

मैं अपने अहम या गरूर को खुद पर हावी नहीं होने देती: प्रियंका

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस का कहना है कि हर कोई उनसे पूछता है कि उन्होंने हॉलीवुड में जगह कैसे बना ली और कोई अन्य भारतीय कलाकार यह क्यों नहीं कर पाया? उनके पास इसका कोई जवाब नहीं है लेकिन उन्हें बस इतना पता है कि वह भारत में मिली अपनी शोहरत को सिर पर रख कर साथ नहीं ले गईं। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी हालिया भारत यात्रा के दौरान एक साक्षात्कार में कहा, '' लोग हमेशा मुझसे पूछते हैं कि कोई और ऐसा क्यों नहीं कर पाया? भारत से किसी अन्य अभिनेता ने आपकी तरह लीक से हटकर जाने की क्यों नहीं सोची? मेरे पास इसका जवाब नहीं है। ''

उन्होंने कहा कि उन्हें बस इतना पता है कि उन्होंने क्या किया है वह भारत में मिली अपनी शोहरत को सिर पर रख कर साथ नहीं ले गईं और शायद इसलिए ही वह आज इस मुकाम पर हैं। प्रियंका ओटीटी (ओवर द टॉप) मंच 'प्राइम वीडियो' के शो 'सिटाडेल' के अमेरिकी संस्करण के प्रीमियर के लिए भारत आईं थीं। प्रियंका के अलावा इसमें अभिनेता रिचर्ड मैडेन भी मुख्य भूमिका में हैं। 'सिटाडेल' सीरीज के पहले दो धारावाहिक दुनियाभर में 28 अप्रैल को 'प्राइम वीडियो' पर 40 भाषाओं में प्रसारित किए जाएंगे। अभिनेत्री ने कहा, '' मैं भारत से हूं और यहां मैं एक बड़ी कलाकार हूं और मेरे पास 20 लोगों की टीम है। मैं वहां (हॉलीवुड में) यह नहीं करती। मैं ऑडिशन देती हूं। मुझे कमरे में जाने और अपनी प्रतिभा दिखाने में कोई हिचक नहीं है। मैं काम से नहीं डरती। मैं अपने अहम या गरूर को खुद पर हावी नहीं होने देती।''

प्रियंका ने 2012 में बतौर गायिका हॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी। अदाकारा के गीत 'इन माई सिटी' और 'एक्ज़ोटिक' को काफी सराहा गया था। अदाकारा बाद में 2015 में 'एबीसी' की ड्रामा सीरीज 'क्वांटिको' में भी नजर आईं। वह एक अमेरिकी नेटवर्क की सीरीज में काम करने वाली पहली दक्षिण एशियाई अभिनेत्री थीं। प्रियंका ने इसके बाद 2017 में अपनी पहली हॉलीवुड फिल्म 'बेवॉच' की। हाल ही में वह 'द मैट्रिक्स रिसर्शन' में नजर आईं। हिंदी फिल्म जगत में अपने 20 साल लंबे करियर में प्रियंका 'फैशन' 'कमीने', '7 खून माफ', 'बर्फी', 'बाजीराव मस्तानी', 'दिल धड़कने दो' जैसी हिट फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

प्रियंका ने कहा कि चाहे बॉलीवुड हो या हॉलीवुड, काम करने का तरीका यही है कि पहले छोटे-छोटे किरदार निभाए जाएं और अपनी प्रतिभा साबित की जाए। उन्होंने कहा, '' बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत करने के दौरान भी मैंने यही किया था... फिल्म जगत में ऐसे ही काम किया जाता है। मैं कड़ी मेहनत करने से नहीं कतराती। मैं दृढ़ता दिखाने से नहीं डरती... जब आप उस मुकाम पर पहुंच जाते हैं और अपना काम देखते हैं तब आपको लगता है कि आपने फिर कर दिखाया।

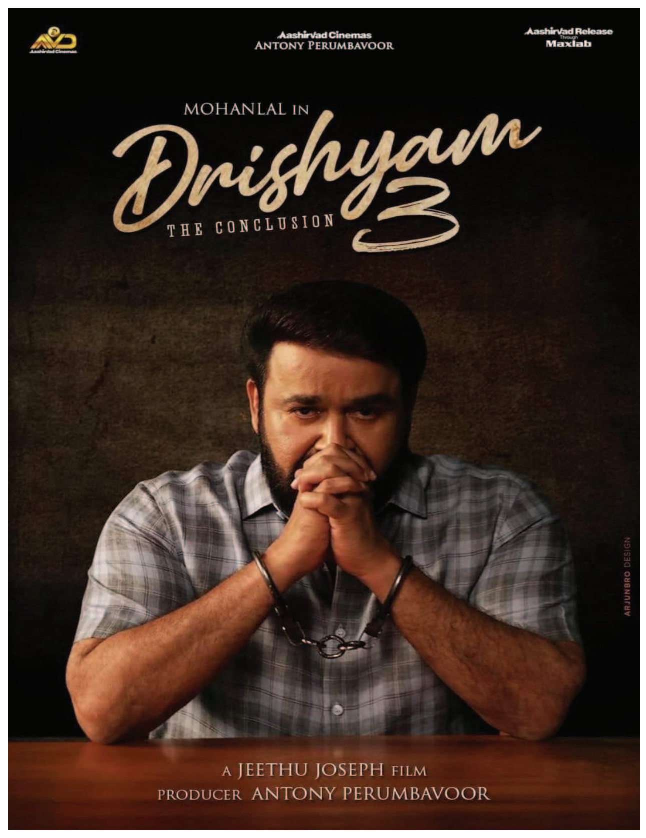

अभिनेता ने की दृश्यम 3 की पुष्टि

दो फिल्मों की सफलता को देखते हुए, दक्षिण भारतीय निर्माता एंटनी पेरुम्बवूर ने हाल ही में एक पुरस्कार समारोह में अभिनेता मोहनलाल ने की दृश्यम 3 की आधिकारिक पुष्टि की। जानकारी के मुताबिक, तीसरे भाग पर काम चल रहा है और फिल्म की स्क्रिप्टिंग पर काम चल रहा है। इसके अलावा, भोला स्टार को स्पष्ट रूप से लगता है कि दृश्यम 1 और 2 के रीमेक बड़ी हिट साबित हो रहे हैं, यह बेहतर है कि तीसरी किस्त मलयालम के साथ ही बनाई जाए। इसलिए, फिल्में - हिंदी के साथ-साथ मलयालम में भी एक ही समय में रिलीज हो सकती हैं। मालूम हों कि दृश्यम 1 और 2, मूल संस्करण में मोहनलाल और इसके हिंदी रूपांतरण में अजय देवगन को दर्शकों के साथ-साथ आलोचकों द्वारा भी व्यापक रूप से स्वीकार किया गया था।

अक्षय और परेश रावल के साथ ही बनेगी हेरा फेरी 3

बालीवुड फिल्म हेरा फेरी 3 किसी न किसी वजह से चर्चा में बनी हुई है। सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए, सुनील शेट्टी ने आखिरकार खुलासा किया कि फिल्म में, वह अक्षय कुमार के साथ और परेश रावल अपने लोकप्रिय पात्रों, श्याम, राजू और बाबूराव को क्रमशः दोहराते हुए दिखाई देंगे। फिल्म जल्द ही एक और विवाद में आ गई जब प्रशंसकों ने फरहाद सामजी को फिल्म के निर्देशक के रूप में साइन करने के फैसले पर अपनी निराशा और अस्वीकृति दिखाई, क्योंकि उन्होंने ट्विटर पर हैशटैग हेरा फेरी से फरहाद सामजी को हटा दें ट्रेंड किया। निर्देशक ने बाद में एक साक्षात्कार में इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा हर कोई अपनी पूरी कोशिश करता है और अगर किसी को कोई समस्या है, तो वे बेहतर फिल्म बनाकर और बेहतर पंच लिखकर इसे ठीक करने की कोशिश करेंगे। बता दें कि पहले यह कयास थे कि फिल्म में कौन-कौन शामिल हैं, जिसमें यह भी शामिल है कि कार्तिक आर्यन को एक महत्वपूर्ण भूमिका के लिए चुना गया था।

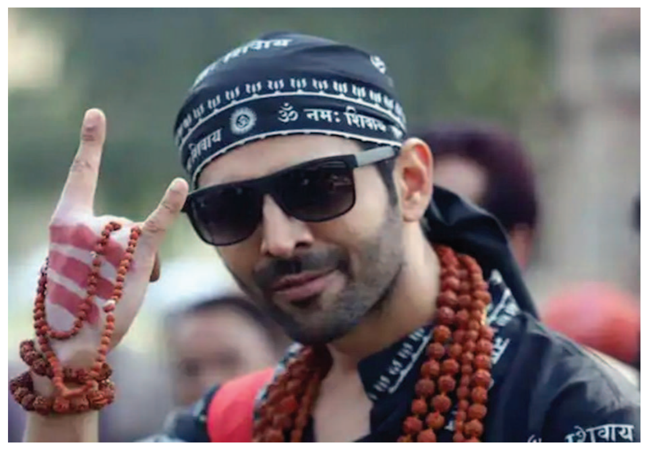

भूल भुलैया 3 में फिर बाबा बनेगें कार्तिक आर्यन

भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन रूह बाबा की अपनी भूमिका को पुनर्जीवित करेंगे। अपने सोशल मीडिया हैंडल का सहारा लेते हुए अभिनेता ने एक पोस्ट किया और भूल भुलैया 2 से अपने लोकप्रिय संवाद की विशेषता वाला एक छोटा वीडियो भी साझा किया। यह फिल्म दिवाली 2024 के अवसर पर रिलीज होगीलेकिन फिल्म एक ब्लॉकबस्टर साबित हुई, जिसने कोविड के बाद लोगों को अपने घरों से बाहर निकाला।। फेंचाइजी की पहली फिल्म में अक्षय कुमार और विद्या बालन थे। विद्या बालन मुख्य भूमिका में थी, जबकि आर्यन के साथ कियारा आडवाणी ने दूसरे भाग में दो दिग्गजों की जगह ली, जो दर्शकों को शुरू में पसंद नहीं आई।

राखी सावंत को लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने दी धमकी, ईमेल में लिखा- तेरे भाई सलमान को हम...

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से कई बार जान से मारने की धमकी मिल चुकी है। वहीं ड्रामा क्वीन राखी सावंत को भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने धमकी दे डाली है। बता दें कि राखी सलमान खान के साथ खास बॉन्ड शेयर करती हैं। वह सलमान को अपना भाई मानती है। सलमान भी राखी के मुश्किल वक्त में हमेशा उनकी मदद करते नजर आते हैं। शायद इस वजह से सलमान के बाद राखी को धमकी मिली है।

राखी सावंत को धमकी भरे ईमेल भेजे गए हैं, जिसमें उन्हें सलमान खान से दूर रहने की चेतावनी दी गई है। मेल में कहा गया है कि सलमान खान को हम बॉम्बे में मारेंगे तू (राखी सावंत) इसमें इंवॉल्व मत हो, वरना प्रॉब्लम में आ जाएगी। बताया जा रहा है कि यह मेल गुर्जर प्रिंस नाम के व्यक्ति ने भेजा है, जो खुद को लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप /गोल्डी बरार ग्रुप का बता रहा है।

इस धमकी भरे ईमेल में लिखा है, जय बालकारी, राखी हमारी तेरे से कोई लड़ाई नहीं है, तू सलमान खान के मैटर में इंवॉल्व मत हो, वरना तुझे बहुत प्राब्लम हो जाएगी। तेरे भाई सलमान को हम बॉम्बे में ही मारेंगे, वो कितनी भी सिक्योरिटी बढ़ा ले अबकी बार उसे सिक्योरिटी में ही मारेंगे, ये लास्ट वार्निंग है राखी तेरे लिए वरना फिर तू तैयार रहना।

धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद ईटाइम्स को दिए इंटरव्यू में राखी सावंत ने कहा, वो (लॉरेंस बिश्नोई गैंग) कह रहे हैं कि अगर तुमने सलमान खान के बारे में बात की तो हम तुम्हें मार देंगे। लेकिन मैं सलमान के बारे में बात करूंगी, क्योंकि जब मेरी मां बीमार थी, तब उन्होंने मेरी मां की मदद की थी।

ऋचा चड्ढा भोली पंजाबन की भूमिका में

फुकरे फेंचाइजी में ऋचा चड्ढा भी भोली पंजाबन की भूमिका में हैं। इस सीरीज के पिछले दोनों भागों ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की थी। जब निर्देशक मृगदीप सिंह लांबा ने तीसरी फिल्म फेंचाइजी की समाप्ति की घोषणा की तो प्रशंसक शांत नहीं रह सके। फिल्म के बारे में बात करते हुए ऋचा ने पहले कहा था, फिल्म बड़ी और बेहतर होने वाली है। मैं सच में उत्साहित हूँ। उन्होंने कहा कि फिल्म का आधार हास्यास्पद था, जिसे कलाकारों द्वारा विश्वसनीय बनाया जाएगा। बता दें कि पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा, मनजोत सिंह और अली फजल की फुकरे फेंचाइजी चार दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पैसे कमाने के आसान तरीकों की तलाश करते हैं।

ब्रह्मास्त्र के पार्ट 2 और 3 भी बनेगें

ब्रह्मास्त्र के सफल प्रदर्शन के बाद, निर्देशक अयान मुखर्जी ने फेंचाइजी में सिर्फ एक नहीं बल्कि दो और फिल्मों की घोषणा की। ब्रह्मास्त्र भाग 2- देव और ब्रह्मास्त्र भाग 3 क्रमशः 2026 और 2027 में रिलीज होने वाले हैं, जैसा कि फिल्म निर्देशक ने घोषित किया। उन्होंने यह भी बताया कि दूसरी और तीसरी किस्त एक साथ बनाई जाएगी, जिससे उन्हें क्लोजर भी एक साथ रिलीज करने की अनुमति मिलेगी। हालांकि नवीनतम रिपोर्टों से पता चलता है कि नई फिल्मों का निर्माण जियो स्टूडियो के तहत किया जाएगा, क्योंकि करण जौहर और अयान मुखर्जी के बीच कथित तौर पर आगामी फिल्मों को लेकर झगड़ा हुआ था।

गंगोत्री-यमुनोत्री मंदिर कपाट खुलने के साथ चारधाम यात्रा की हुई शुरुआत

-दर्शनार्थियों की अधिकतम दैनिक संख्या में कोई कटौती नहीं, सरकार ने अपना आदेश वापस लिया

देहरादून । अक्षय तृतीया के पर्व पर गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिर के कपाट खुलने के साथ इस साल की चारधाम यात्रा की शुरुआत हो गयी है। इस बीच, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हिमालयी धामों में दर्शनार्थियों की अधिकतम दैनिक संख्या तय करने संबंधी अपना निर्णय भी वापस ले लिया है। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने पहले चारों हिमालयी धामों बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में श्रद्धालुओं की अधिकतम दैनिक संख्या निर्धारित करने का फैसला लिया था लेकिन तीर्थ पुरोहित और टूर ऑपरेटर इस निर्णय को वापस लेने का दबाव बना रहे थे। इसलिए अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है कि मुख्यमंत्री द्वारा निर्णय लिया गया है कि चारधाम यात्रा के दौरान प्रत्येक धाम में श्रद्धालुओं की संख्या प्रतिदिन के लिए सीमित रखने के संबंध में पूर्व में लिए गए निर्णय को वापस लिया जाता है। हालांकि, आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि यात्रियों की ट्रैकिंग में मददगार पंजीकरण की ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रक्रिया जारी रहेगी। आदेश में यह भी कहा गया है कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को ध्यान में रखकर भीड़ को नियंत्रित करने हेतु आवश्यकतानुसार व्यवस्था की जाएगी। जानकारी के अनुसार उत्तरकाशी जिले में स्थित गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट आज से खुल गये हैं। गढ़वाल हिमालय के चारधामों में से दो अन्य धाम, केदारनाथ के कपाट 25 अप्रैल को और बदरीनाथ के कपाट 27 अप्रैल को खुलेंगे। दरअसल सर्दियों में भारी बर्फबारी और भीषण ठंड के कारण हर साल चारों धामों के कपाट श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए जाते हैं जो छह माह बाद अगले साल गर्मियों में खुलते हैं। मुख्यमंत्री ने चारधाम श्रद्धालुओं का माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा उन्हें लेकर जा रही बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इधर ऋषिकेश में आयोजित ऋषिकेश से चारधाम यात्रा- 2023 कार्यक्रम में सीएम धामी ने चारों धामों के देवी-देवताओं बाबा केदार, बदरीविशाल, मां गंगोत्री और मां यमुनोत्री से विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी यात्रा के धूमधाम एवं कुशलतापूर्वक संपन्न होने की प्रार्थना की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस बार सरकार की तरफ से चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत में हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा करने का भी निर्णय लिया गया है। चारधाम यात्रा को उत्तराखंड के लिए एक उत्सव बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु राज्य में आते हैं जिससे रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। इस वर्ष अभी तक 16 लाख लोगों द्वारा पंजीकरण करवाया है और सरकार प्रत्येक श्रद्धालु की यात्रा सुगम और शत-प्रतिशत सुरक्षित करने में जुटी है। इस बीच, उत्तरकाशी जिले में गंगोत्री मंदिर और यमुनोत्री मंदिर के कपाट हवन और वैदिक मंत्रोच्चार के बाद खुल गये। शनिवार दोपहर बाद 12:35 पर गंगोत्री के कपाट खुले जबकि 12:41 पर यमुनोत्री के कपाट खुले। दोनों धामों में श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया है।

बसवा जयंती समारोह में शामिल होंगे राहुल गांधी, लिंगायतों को साधेंगे

बेंगलुरू । कांग्रेस ने 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले लिंगायत समुदाय तक अपनी पहुंच बढ़ाने की हर संभव कोशिश शुरु कर दी है। इसके लिए राज्य के बागलकोट जिले के कुडाला संगमा में बसवा जयंती समारोह में भाग लेने के लिए राहुल गांधी को शामिल किया है। बसवा जयंती 23 अप्रैल को राज्य भर में लिंगायत समुदाय द्वारा एक त्योहार के रूप में मनाया जाता है। सूत्रों ने शनिवार को यहां बताया कि कांग्रेस, जो भाजपा के वरिष्ठ लिंगायत नेताओं जगदीश शेट्टार और लक्ष्मण सावदी के शामिल होने के बाद भाजपा के लिंगायत वोट बैंक को तोड़ने के लिए उत्साहित है, इस अवसर पर समुदाय को लुभाने के लिए तैयार है। गुरु बसवन्ना जो कि 12वीं शताब्दी के समाज सुधारक माने जाते हैं, जिन्होंने लिंगायत धर्म की स्थापना की। उनकी समाधि कुदाल संगम में स्थित है। जहां पर कांग्रेस कार्यक्रम के जरिए यह संकेत देना चाहती है कि वह लिंगायतों के साथ है। सूत्रों के मुताबिक, कार्यक्रम का आयोजन किसी संगठन ने किया है न कि पार्टी ने। केपीसीसी प्रचार अभियान के अध्यक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एम.बी.पाटिल ने राहुल गांधी की मेजबानी और कार्यक्रमों के आयोजन की सभी प्रमुख जिम्मेदारियां संभाली हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष संगमेश्वर मंदिर और बासवन्ना की समाधि जाएंगे। बाद में उनका कार्यक्रम स्थल पर आयोजित बसवा जयंती कार्यक्रम में हिस्सा लेने का कार्यक्रम है। सूत्रों ने बताया कि समुदाय को संदेश भेजने के लिए कांग्रेस के सभी लिंगायत नेता राहुल गांधी के साथ कार्यक्रम में भाग लेंगे।

देश में एक बार फिर बढ़े कोरोना के मरीज, 12193 नए मामले आए 67 हजार से ज्यादा एक्टिव केस

नई दिल्ली । देश में एक दिन बाद ही कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के कुल 12,193 मामले दर्ज किए गए हैं। इससे पहले, शुक्रवार को कुल 11,692 नए मामले सामने आए थे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि कोरोना के एक्टिव केस बढ़कर अब 67,556 हो गए हैं। 21 अप्रैल को सक्रिय मरीजों की संख्या 66,170 थी। 24 घंटे में कोरोना से 10,765 मरीज रिकवर हुए हैं। अब तक 4 करोड़ 42 लाख 83 हजार 21 लोग कोरोना से ठीक हो चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 24 घंटे में कोरोना से 42 मरीजों की जान भी गई है। देश में कोरोना से अब तक कुल 5 लाख 31 हजार 300 लोगों की जान जा चुकी है। देश में अब तक कोरोना के कुल 4 करोड़ 48 लाख 81 हजार 877 मामले सामने आ चुके हैं। देश में कोरोना वैक्सीन की अब तक 220.66 करोड़ से ज्यादा डोज लग चुकी है। 102.74 करोड़ से ज्यादा लोगों को पहली डोज लगी है। 95.19 करोड़ से ज्यादा दूसरी खुराक दी जा चुकी है। इसके अलावा 22.72 करोड़ से ज्यादा लोगों को प्रीकाशन डोज भी लग चुकी है।

कपिल सांगवान गैंग के छह सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने 14 अप्रैल को द्वारका में शहर के भाजपा नेता सुरेंद्र मटियाला की हत्या के मामले में कपिल सांगवान गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जिसमें दो नाबालिग भी शामिल हैं। आरोपियों की पहचान हरियाणा के बहादुरगढ़ निवासी सोहित उर्फ सचिन (25), योगेश कुमार (30), दिल्ली की पालम कॉलोनी निवासी अरुण चंद (19) और दीपक बेरवा (19) के रूप में हुई है। 14 अप्रैल को, दो अज्ञात लोगों ने भाजपा यूनिट के नजफगढ़ किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र के कार्यालय में प्रवेश कर उन पर गोलियां चलाईं, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) एम हर्षवर्धन ने कहा कि अपराधियों की पहचान के लिए कई सीसीटीवी कैमरों का विश्लेषण किया गया और टीम ने चार संदिग्धों पर ध्यान केंद्रित किया, जिनमें से दो ने मृतक पर गोली चलाई थी, जबकि अन्य दो भी घटनास्थल के पास बाइक पर मौजूद थे। एक बाइक द्वारका साउथ इलाके से चोरी हुई पाई गई। एक टीम ने उस जगह के सीसीटीवी फुटेज का भी विश्लेषण करना शुरू किया, जहां से उक्त बाइक चोरी हुई थी, जिससे अरुण, दीपक और दो किशोरों की पहचान हुई। ह्यूमन इंटेलिजेंस और टेक्निकल सर्विलांस से खुलासा हुआ कि फरार अपराधी कपिल सांगवान इस हत्याकांड का मुख्य साजिशकर्ता था। डीसीपी ने कहा, सांगवान ने रोहित के साथ मिलकर इस हत्या की साजिश रची। रोहित ने अपने भाई सोहित, योगेश और अन्य को पूरी साजिश में शामिल किया। रोहित ने कथित तौर पर राजस्थान के दो अपराधियों को भी इस घटना को अंजाम देने के लिए शामिल किया।

बस और ट्रक की जबरदस्त भिड़ंत में 7 लोगों की मौत

-यूपी के अयोध्या जिले में गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीषण हादसा

अयोध्या । उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार की रात बस और ट्रक की टक्कर में बस सवार 7 लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना उस समय हुई जब फैजाबाद की ओर से आ रही एक निजी यात्री बस अंबेडकर नगर की तरफ जाने के लिए लखनऊ गोरखपुर राजमार्ग पर बने एक कट से मुड़ने के क्रम में सामने से आ रहे एक ट्रक से भिड़ गई। उनहोंने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक पलट गया और बस उस ट्रक के नीचे आ गई। दुर्घटना की सूचना पाकर पुलिस प्रशासन तत्काल मौके पर पहुंचा।

राजीव गांधी के किस्से का जिक्र कर शाह ने कहा हम उनके जैसें नहीं

- राजीव ने एयरपोर्ट से सीएम बदलने का ऐलान किया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को एक कार्यक्रम में शिरकत कर दावा किया कि बीजेपी विधानसभा में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि मैं कांग्रेस के नेताओं को चैलेंज करना चाहता हूं कि आपके समय में सरकारों ने राज्य को कितना पैसा दिया था और हमारी सरकार के समय कितना पैसा दिया गया। पुराने किस्से का जिक्र कर केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, हम राजीव गांधी की तरह नहीं है, जब एयरपोर्ट पर वीरेंद्र पाटिल को बदल दिया था कि कल से पाटिल मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे, ऐसा हम नहीं कर सकते हैं।

शाह ने कहा, कांग्रेस अगर ये मानती है कि वहां शेट्टार जी के वहां जानने से जीतती है, तब कांग्रेस स्वीकार करती है कि वहां अकेले जीतने की स्थिति में नहीं है। हमारा कोई वोट बैंक कहीं नहीं गया है, भाजपा एकजुट है और पूरी बहुमत से सरकार बनाएगी। पार्टी जब कठोर फैसले लेती है, तब कई बार नेता उस स्वीकार करती है और कई नेता चले जाते हैं। पीएफआई के मुद्दे का जिक्र कर शाह ने कहा, जिस प्रकार पीएफआई की वजह से यहां हिंसा हो रही थी, हमारे कार्यकर्ता की हत्या हो गई थी। हमारी सरकार ने कठोरता दिखाई इसका परिणाम भी दिखा और लोग अब सुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

शाह ने जिसे किस्से का जिक्र किया हम उसके बारे में बताते हैं। दरअसल, राममंदिर आंदोलन के दौरान कांग्रेस की कमान राजीव गांधी के हाथों में थी, तब कर्नाटक की सत्ता पर वीरेंद्र पाटिल काबिज थे। भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी राममंदिर के पक्ष में समर्थन जुटाने के लिए गुजरात के सोमनाथ से अयोध्या तक के लिए राम रथ यात्रा कर रहे थे। रथ यात्रा के शुरू हुए एक सप्ताह गुजरा था कि कर्नाटक सांप्रदायिक दंगे की चपेट में आ चुका था।

तीन अक्टूबर 1990 को कर्नाटक के दावणगेरे के मुस्लिम बहुल इलाके में हिंदु समुदाय के लोगों ने एक शोभा यात्रा निकाली थी, जिसके चलते सांप्रदायिक दंगा भड़क उठा था। उसी वक्त चन्नापटना क्षेत्र में एक मुस्लिम लड़की को हिंदू लड़कों ने छेड़ दिया, जिसने आग में घी डालने का काम किया और दोनों समुदाय के बीच तलवारें खिंच गई थीं। दंगे में दर्जनों लोगों की मौत हो गई थी। कांग्रेस पर राजनीतिक दबाव बढ़ गया था। हालांकि, तत्कालीन सीएम पाटिल को कुछ दिनों पहले ही दिल का दौरा पड़ा था, जिसके चलते वहां बिस्तर पर थे।

कर्नाटक में उस समय कांग्रेस के सबसे बड़े मुस्लिम नेता सीके जाफर शरीफ थे, जो कर्नाटक के दंगे को लेकर कांग्रेस हाईकमान पर दबाव बना रहे थे। इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर राजीव गांधी सियासी डैमेज कंट्रोल के लिए कर्नाटक का दौरा करने के लिए पहुंचे और उनके साथ सीके जाफर शरीफ भी। कांग्रेस नेता एमबी पाटिल ने अंग्रेजी समाचार पत्र से बातचीत में बताया कि शरीफ उस वक्त राजीव गांधी के साथ थे और उन्होंने यह साफ तौर पर कहा था कि राज्य को उस व्यक्ति पर नहीं छोड़ा जा सकता जो अस्वस्थ हो।

इसके राजीव गांधी ने बेंगलुरु एयरपोर्ट पर पहुंचते ही पाटिल को मुख्यमंत्री पद से हटाने का ऐलान कर दिया। पाटिल लिंगायत समुदाय के बड़े नेता थे। इसके बाद उनकी बर्खास्तगी को विपक्षी दलों ने लिंगायत समुदाय के अपमान की तौर पर प्रचारित किया गया। हालांकि, पाटिल को हटाने के पीछे कांग्रेस कांग्रेस तर्क देती रही है कि उनके खराब स्वास्थ्य की वजह से उन्हें आराम देने के लिए ही पद से हटाया गया था, तब दूसरी ओर कहा गया कि पाटिल के बीमार होने के बावजूद राजीव गांधी ने लिंगायत नेता से मिलना मुनासिब नहीं समझा।

साल 1989 में जब राजीव गांधी ने केंद्र में सत्ता खो दी थी, तब पाटिल ने कर्नाटक में जनता दल के रामकृष्ण हेगड़े और जनता पार्टी के एचडी देवगौड़ा दोनों को हराकर पार्टी को बड़ी जीत दिलाई थी। हेगड़े लिंगायतों के सबसे बड़े नेता थे, लेकिन वीरेंद्र पाटिल के चलते लिंगायत समुदाय ने कांग्रेस को एकमुश्त वोट दिया था।

महात्मा गांधी के हत्यारें के नक्शेकदम पर चल रहे थे अतीक के हत्यारे : ओवैसी

हैदराबाद (ईएमएस)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में माफिया एवं पूर्व सांसद अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की गोली मारकर हत्या करने वाले तीनों युवक महात्मा गांधी के हत्यारे नाथुराम गोडसे के नक्शेकदम पर चल रहे थे। ओवैसी ने अतीक और अशरफ के हत्यारों को आतंकवादी' करार दिया, जो एक एक आतंकवादी गुट का हिस्सा थे। हैदराबाद में एक सभा को संबोधित करते हुए एआईएमआईएम प्रमुख ने सवाल किया कि अतीक और अशरफ के हत्यारों पर गैर-कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) क्यों नहीं लागू किया गया। उन्होंने पुलिस हिरासत में अतीक और उसके भाई की हत्या को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। ओवैसी ने कहा कि मीडिया में प्रकाशित खबरों में आरोपियों को गरीब परिवार का बताया गया है, ऐसे में उन्हें आश्चर्य होता है कि इन लोगों के पास आठ-आठ लाख रुपए की रिवाल्वर कैसे पहुंची। एआईएमआईएम प्रमुख ने एक मीडिया रिपोर्ट का जिक्र किया, जिसमें एक पुलिस अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि अतीक और अशरफ की हत्या से पहले अपराधियों को कम से कम एक महीने तक प्रशिक्षण दिया गया था। उन्होंने कहा ?कि इससे स्पष्ट है कि उन्हें पूरा अभ्यास कराया गया था। इससे स्पष्ट है कि तीनों हत्यारे गोडसे के उत्तराधिकारी हैं। ये तीनों एक आतंकवादी गुट का हिस्सा हैं। मुझे संदेह है कि देश में ऐसे लोग हैं, जिन्हें प्रशिक्षण दिया जाता है, जिन्हें हथियार दिए जाते हैं और उनसे कहा जाता है कि उन्हें गोडसे के सपने को पूरा करना है।

देश भर में ईद-उल-फितर पर मस्जिदों में पढ़ी गयी नमाज, एक दूसरे को दी मुबारकबाद

-पुलिस व्यवस्था चुस्त- दुरुस्त, चप्पे-चप्पे पर ड्रोन कैमरों से रखी जा रही नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में आज ईद का त्योहार बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस मौके पर सभी मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की गई। इस बीच, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री समेत तमाम मुख्यमंत्रियों और राज्यपालों ने देश की जनता को ईद की मुबारकबाद दी है। देश में सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत है। हर जगह ड्रोन कैमरों से सुरक्षा में जुटे जवानों द्वारा निगाह रखी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक ट्वीट में कहा, ''ईद-उल-फितर की बधाई। हमारे समाज में सद्भाव और करुणा की भावना आगे बढ़े। मैं सभी के अच्छे स्वास्थ्य और कुशलक्षेम के लिए भी प्रार्थना करता हूं। ईद मुबारक। वहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ईद-उल-फितर पर लोगों को बधाई दी और सभी से इस अवसर पर समाज में भाईचारे तथा सद्भाव को बढ़ावा देने का संकल्प लेने का आग्रह किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि यह त्योहार सद्भाव की भावना से ओत-प्रोत है और हमें एक शांतिपूर्ण एवं समृद्ध समाज बनाने के लिए प्रेरित करता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने भी हर साल की तरह ईद के अवसर पर अपने निवास पर ईद मिलन समारोह का आयोजन किया और सभी को इस पर्व की बधाई दी।

दूसरी ओर कोलकाता में रेड रोड पर ईद-उल-फितर के मौके पर नमाज अदा कर रहे लोगों के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पहुंचे। इस दौरान ममता बनर्जी ने कहा कि हम बंगाल में शांति चाहते हैं। हम दंगे नहीं चाहते। हम देश के टुकड़े नहीं करना चाहते। जो देश के टुकड़े करना चाहते हैं- मैं आज ईद पर वादा करती हूं कि मैं अपनी जान देने को तैयार हूं लेकिन मैं देश को बांटने नहीं दूंगी। वहीं टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि न खुदा, न अल्लाह, न भगवान बुरा है, अगर बुरा है तो इंसान में बंटवारा करने वाला शैतान बुरा है। उन्होंने कहा कि मेरे, आपके रगों में जो खून है उसका मजहब क्या है? उसका मजहब इंसानियत है। जो लोग यहां रहने के लिए सर्टिफिकेट मांगते हैं, मैं उनको कहूंगा कि वह पहले अपना सर्टिफिकेट दिखाएं फिर देशवासियों से सर्टिफिकेट मांगें।

दूसरी ओर, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तो सुबह सुबह गांधी मैदान पहुँच गये थे जहां उन्होंने नमाजियों को ईद की बधाई दी। इस बीच, उत्तर प्रदेश पुलिस ने कहा है कि सभी लोग अमन और सुकून से नमाज पढ़ रहे हैं। पुलिस व्यवस्था चुस्त दुरुस्त है। ड्रोन कैमरों से चप्पे-चप्पे पर निगरानी की जा रही है। पुलिस ने कहा है कि हम जनता को आश्वस्त कर रहे हैं कि अच्छे माहौल में ईद मनाई जाएगी। उधर, दिल्ली में भी ईद-उल-फितर के मौके पर लोगों ने जामा मस्जिद में नमाज अदा की।

भगवंत मान सरकार की गले की हड्डी बने मुख्तार अंसारी पर खर्च किए गए 55 लाख

- कई विभागों के चक्कर लगा चुकी है कानूनी फीस से संबंधित फाइल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। माफिया डॉन मुख्तार अंसारी को पंजाब की जेल में ही रखे जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चली कानूनी लड़ाई के लिए पंजाब सरकार ने वरिष्ठ वकील दुष्यंत दवे को अपनी पैरवी के लिए लगाया था। अब उनकी 55 लाख रुपए की फीस का बिल मुख्यमंत्री भगवंत मान की सरकार की गले की हड्डी बन गया है। एक रिपोर्ट में बताया गया कि हाल ही में भगवंत मान के पास पहुंचने से पहले दुष्यंत दवे की कानूनी फीस से संबंधित फाइल कई विभागों के चक्कर लगा चुकी है, मगर किसी ने उसे पास नहीं किया। मान ने खुद पिछली कांग्रेस सरकार पर रोपड़ जेल में उत्तर प्रदेश के गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी को वीआईपी सुविधाएं देने का आरोप लगाया। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा कि उस समय के मंत्रियों से कानूनी फीस के 55 लाख रुपए की वसूली के लिए कानूनी राय मांगी गई है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के कार्यकाल में कानूनी फीस की फाइल तत्कालीन एडवोकेट जनरल डीएस पटवालिया के ऑफिस से सचिव (जेल) डीके तिवारी के पास चली गई थी। इसे तत्कालीन उपमुख्यमंत्री और जेल मंत्री सुखजिंदर रंधावा को भी भेजा गया था। फिर इसे तत्कालीन मुख्य सचिव अनिरुद्ध तिवारी के कार्यालय के साथ-साथ केएपी सिन्हा के तहत वित्त विभाग को भी भेजा गया था। हालांकि किसी ने भी फाइल को मंजूरी देने का फैसला नहीं लिया। आखिरकार पिछले साल 31 जनवरी को इस फाइल को अधीक्षक जेल को भेज दिया गया। 8 जनवरी को आदर्श आचार संहिता लागू होने के हफ्तों बाद इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। बहरहाल सुप्रीम कोर्ट में पंजाब सरकार का प्रतिनिधित्व करने के लिए दवे को शामिल करने की मंजूरी पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने 1 जनवरी, 2021 को दी थी।

चट्टान टूटने से बद्रीनाथ नेशनल हाइवे फिर बंद, जगह-जगह फंसे यात्री

जोशीमठ (एजेंसी)। उत्तराखंड में गंगोत्री और युमनोत्री धामों के कपाट 22 अप्रैल को खुलने के साथ ही यात्रा की शुरुआत हो गई, लेकिन, यात्रा शुरू होने से पहले बद्रीनाथ नेशनल हाईवे बिरही में चट्टान टूटने के कारण शनिवार सुबह बंद हो गया, जबकि गंगोत्री-यमुनोत्री हाईवे शुक्रवार को भी कई घंटों तक बंद रहा था। ऐसे में दिल्ली-एनसीआर, यूपी, एमपी सहित देश-विदेश से उत्तराखंड चार धाम यात्रा पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों को सलाह दी जाती है कि चार धाम यात्रा पर जाने से हाइवे, मौसम सहित अन्य जरूरी जानकारी जुटाने के बाद ही यात्रा पर जाएं। देर शाम हाइवे बंद होने पर तीर्थ यात्रियों की रात सड़कों पर भी गुजर सकती है। बद्रीनाथ हाइवे के बंद होने के बाद जगह-जगह यात्री फंस गए।

यात्री जोशीमठ से ऋषिकेश और ऋषिकेश से जोशीमठ नहीं जा पा रहे थे। पहाड़ी से भारी तादाद में बोल्डर और मलबा टूटकर लगातार बद्रीनाथ नेशनल हाइवे पर गिर रहा है। बोल्डर और मलबा गिरने से लोग दहशत में आ गए थे, लेकिन राहत भरी बात यह रही कि कोई भी हादसा नहीं हुआ। बोल्डर और मलबा गिरने से करीब-करीब तीन घंटे तक हाईवे बंद रह। राहत की बात रही कि प्रशासन और बीआरओ की टीम ने कड़ी मेहनत के बाद हाइवे को खोल दिया है।

विदित हो कि पिछले तीन दिनों में बद्रीनाथ हाइवे कई बार बंद और खुला है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम आज अक्षय तृतीय के दिन 22 अप्रैल को खुल गए, जबकि, केदारनाथ धाम 25 अप्रैल और बदरीनाथ धाम 27 अप्रैल को खुल रहे हैं। उत्तरकाशी जिले में खराब मौसम के चलते शुक्रवार को तड़के गंगोत्री हाईवे हेलगूगाड़ तथा यमुनोत्री हाईवे किसाला के पास मलबा आने से बंद हो गए थे। गंगोत्री हाईवे पर हेलगूगाड के समीप सुबह पौने आठ बजे तक बहाल हो गया था, लेकिन यमुनोत्री हाईवे किसाला के समीप दिनभर बंद रहा। मार्ग यातायात के लिए सुचारु कर दिया गया। हाईवे बंद रहने से

विश्वनाथ मंदिर में डोली का जोरदार स्वागत किया गया। डोली दूसरे पड़ाव में शनिवार को फाटा पहुंचेगी। जबकि 23 अप्रैल को गौरीकुंड और 24 अप्रैल को केदारनाथ धाम पहुंचेगी जहां 25 अप्रैल को सुबह 6:20 मिनट पर बाबा केदार के कपाट देश-विदेश के भक्तों के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे।

अपनी मनचाही दलील के साथ अदालत नहीं जा सकते पक्षकार: सुप्रीम कोर्ट

नई दिलली (एजेंसी)। (ईएमएस)। पक्षकार अपनी मनचाही दलील के साथ अदालत में नहीं जा सकते है। यह कहते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अभिनव भारत कांग्रेस की याचिका खारिज कर दी है। इसके साथ ही उस पर जुर्माना भी लगाया गया है। उच्चतम न्यायालय ने उस याचिका को 25,000 रुपये के जुर्माने के साथ खारिज कर दिया, जिसमें महात्मा गांधी की हत्या में भूमिका के लिए नवंबर 1949 में फांसी पर लटकाए गए नारायण डी आप्टे के एक रिश्तेदार को सार्वजनिक माफी जारी करने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिका में एक कानून की संवैधानिक वैधता को भी चुनौती दी गई है, जिसने एक विशेष न्यायाधीश को एक अभियुक्त को क्षमादान देने के लिए कार्योत्तर शक्तियां प्रदान की थीं, जिसमें कहा गया था कि गांधी हत्याकांड में विनायक दामोदर सावरकर को गलत तरीके से फंसाने के लिए इसका इस्तेमाल किया गया था।

पीठ ने अभिनव भारत कांग्रेस द्वारा इसके संस्थापक अध्यक्ष पंकज के फडनीस के माध्यम से दायर याचिका में की गई प्रार्थनाओं में से एक का भी उल्लेख किया, जिसमें कहा गया था कि सावरकर के साथ हुए अन्याय का आंशिक प्रायश्चित करने के लिए केंद्र को एक अधिकार प्राप्त समिति बनाने का निर्देश दिया जा सकता है। इस सपर शीर्ष अदालत ने कहा, आप इस तरह से हमारा समय बर्बाद नहीं कर सकते हैं। बिना किसी चीज के इस अदालत में चलने की आदत, हम इसकी अनुमति नहीं देंगे।

वकील ने कहा कि याचिका नाथूराम गोडसे या सावरकर के लिए नहीं है और यह केवल आप्टे के लिए है। पीठ ने वकीलों के कल्याण कोष में 25,000 रुपये के जुर्माने के साथ याचिका खारिज कर दी। याचिका में बॉम्बे पब्लिक सिक्योरिटी मेजर्स (दिल्ली संशोधन) अधिनियम, 1948 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई थी, जिसने 1947 के बॉम्बे अधिनियम 6 की धारा 13 में उप-धारा 2 (ए) को पेश करके संशोधन किया था।

कानून बनाकर जनसंख्या नियंत्रण नहीं हो सकता : स्वामी

पटना । पूर्व केंद्रीय मंत्री सुब्रमण्यम स्वामी ने पटना में एक कार्यक्रम में उत्तरप्रदेश की कानून व्यवस्था में सुधार का दावा किया। जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून बनाने की जरूरत को नकारते हुए कहा कि अगर देश में आर्थिक प्रगति होगी, तब जनसंख्या पर खुद नियंत्रण हो जाएगा। इस दौरान उन्होंने माफिया अतीक अहमद की हत्या को लेकर भी जवाब दिए। स्वामी से पत्रकारों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विपक्षी दलों की ओर से प्रधानमंत्री उम्मीदवार बनने को लेकर सवाल किया तब उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है। वे मेरे अच्छे मित्र हैं। नीतीश जेपी मूवमेंट के समय से ही हमारे मित्र हैं। नीतीश 2024 में प्रधानमंत्री को टक्कर देने के संबंध में पूछ ने पर उन्होंने कहा कि नीतिश ने ऐसा कभी नहीं कहा। उन्होंने हालांकि यह भी कहा कि मैं आज जब उनसे मिलूंगा, तब जरूर इस बारे में पूछ लूंगा। जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून बनने के संबंध में पूछने पर उन्होंने कहा कि इसकी कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि 50 साल पहले जिस रफ्तार से जसंख्या बढ रही थी, उसमें कमी आई है। उन्होंने कहा कि आर्थिक प्रगति से ये अपने आप कम होती जाती है। जनसंख्या को कम करने के लिए आर्थिक प्रगति को 10 फीसदी प्रति वर्ष करनी चाहिए जिससे जनसंख्या वृद्धि में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि कोई सरकार इस नहीं कर सकती है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी इसके लिए कठोर प्रयास किए थे उनकी हालत क्या हो गई। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार होने की बात करते हुए कहा कि अतीक अहमद की हत्या कर दी गई। इस मामले की अब जांच हो रही है।

हनी ट्रैप के जरिए नशे का शिकार हो रहे हैं युवा

-देश भर में फैला नशे का कारोबार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बड़े शहरों से होते हुए छोटे शहरों और गांवों तक नशीले पदार्थ बेचने का धंधा, बड़ी जोर शोर से फल फूल रहा है। शहरों में नशे के कारोबारी हनी ट्रैप के माध्यम से युवाओं को फंसाकर नशे का आदी बना रहे हैं। इसके लिए तस्कर और अपराधिक गतिविधियों से जुड़े अपराधी, बड़े और मध्यम वर्ग परिवारों के लड़के और लड़कियों को नशे का आदी बना रहे हैं। नशे का कारोबार बढ़ाने के लिए लड़के लड़कियों की एक दूसरे से दोस्ती कराने और नशे की लत लगाने का सुनियोजित अपराधिक कारोबार कर रहे हैं। युवतियों के साथ दोस्ती करने के चक्कर में युवा बड़ी जल्दी नशे का शिकार हो जाते हैं। होटल, स्कूल, कॉलेज, तथा भीड़ वाले स्थान में हनी ट्रैप के माध्यम से नशीले पदार्थों का कारोबार बडी तेजी के साथ फल फूल रहा है। बड़े एवं मध्यम वर्ग के किशोरों से युवतियां दोस्ती करती हैं। उनके सामने स्वयं नशा करती हैं। उन्हें भी नशे के लिए उकसाती हैं। धीरे-धीरे युवा नशे के शिकार हो जाते हैं। नशा बेचने वाले मनमानी कीमत पर उन्हें नशा बेचकर उनका आर्थिक एवं शारीरिक शोषण करते हैं। उनके माध्यम से नशे के कारोबार को और भी आगे बढ़ाते हैं।

सामाजिक न्याय विभाग और पुलिस को जो जानकारी प्राप्त हो रही है। उसके अनुसार नशीले पदार्थों के कारोबार करने वाले गिरोह हनी ट्रैप के जरिए नशीले पदार्थों का कारोबार बड़ी तेजी के साथ देश भर में फैला रहे हैं।

सामाजिक न्याय विभाग ने देशभर के सभी पुलिस अधिकारियों को नशे के कारोबार को रोकने के लिए, और नशे के शिकार युवाओं को सहायता करने के लिए निर्देशित किया है। देशभर के सभी पुलिस थानों को थाने वार सूची तैयार करने का निर्देश दिया है। जिसमें नशीले व्यापार का कारोबार करने वाले तस्कर,,हनी ट्रैप से जुड़ी युवतियों और नशे की गिरफ्त में आए हुए युवा और युवतियों की सही तरीके से पहचान हो सके। नशे के कारोबार को नियंत्रित करने के निर्देश भी पुलिस को दिए गए हैं।

सूडान में आपस में लड़ रहे दो सैन्य बलों के हमले में 4 सौ की मौत, 35 सौ हुए घायल

जेनेवा । विश्व स्वास्थ्य संगठन ने शुक्रवार को बताया कि सूडानी सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच हिंसक गृहयुद्ध में 400 से अधिक लोगों की मौत हुई है, जबकि 3500 घायल हुए हैं। यूनिसेफ ने कहा कि मृतकों में कम से कम नौ बच्चे शामिल हैं और 50 से अधिक घायल हुए हैं। विश्व खाद्य कार्यक्रम ने कहा कि हिंसा बढ़ने के कारण 10 हजार से 20 हजार लोग पड़ोसी देश चाड में शरण लेने के लिए भाग गए। मैक्सर टेक्नोलॉजीज द्वारा प्रदान की गई यह उपग्रह छवि सूडान के खार्तूम में सूडानी सशस्त्र बलों के मुख्यालय भवन के जले हुए और भारी क्षतिग्रस्त को दिखाती है। लड़ाई पिछले हफ्ते शनिवार को शुरू हुई थी और तब से यह और बढ़ती ही गई है। 2021 में एक साथ सत्ता हथियाने के बाद अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स और सूडानी सेना के बीच तनाव बढ़ने लगा था। यह तस्वीर सूडान के खार्तूम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की है। फ्लाइट पूरी तरह से जलकर राख हो गई हैं। सैन्य मुख्यालय के पास लगातार गोलाबारी होने की आवाज सुनाई दे रही। हिंसा समाप्त करने के लिए सूडान पर कूटनीतिक दबाव भी बढ़ रहा है।

अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने 'मिफेप्रिस्टोन' लगा प्रतिबंध हटाया

वाशिंगटन । अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवा 'मिफेप्रिस्टोन' पर प्रतिबंध लगाने के निचली अदालत के आदेश पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन और 'मिफेप्रिस्टोन' के दवा निर्माता न्यूयॉर्क स्थित डांको लैबोरेटरीज के आपात अनुरोधों को मंजूर कर लिया। उन्होंने निचली अदालत के उस फैसले के खिलाफ अपील की थी जिसमें 'मिफेप्रिस्टोन' को खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा दी गई स्वीकृति को रद्द कर दिया गया था। अमेरिका में 2000 से इस दवा का इस्तेमाल किया जा रहा है और 50 लाख से अधिक महिलाओं ने इसका इस्तेमाल किया है। 'मिफेप्रिस्टोन' को मिसोप्रोस्टोल नामक एक अन्य दवा के साथ लिया जाता है और अमेरिका में आधे से अधिक गर्भपात इसी दवा के जरिए होते हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से 'मिफेप्रिस्टोन' के इस्तेमाल पर कम से कम अगले साल तक कोई रोक नहीं रहेगी जब तक कि इसके खिलाफ अपीलों पर फैसला नहीं आता है। इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की जा सकती है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने 'मिफेप्रिस्टोन' की उपलब्धता बरकरार रखने के लिए अदालत की तारीफ की। इस ताजा फैसले से 10 सप्ताह की गर्भवती महिलाएं सर्जिकल गर्भपात के बजाय 'मिफेप्रिस्टोन' और 'मिसोप्रोस्टोल' का इस्तेमाल कर गर्भपात करा सकती है।

शोधकर्ताओं ने खोला बड़ा राज, धरती ने खुद तैयार किए जल स्रोत

लंदन। धरती पर पानी की मौजूदगी को लेकर शोधकर्ताओं ने एक बड़ा राज खोला है। हालांकि धरती पर मौजूद बहुत सी चीजों को लेकर अब भी रहस्य बना हुआ है। इन्हीं में एक है धरती पर मौजूद पानी। अभी तक ये ठोस तौर पर स्थापित नहीं किया जा सका है कि धरती पर पानी कहां से आया? कैसे पृथ्वी पर समुद्र, महासागर, नदी और तालाबों जैसे जलस्रोत बने। अब तक हुए कई अध्ययनों में इस सवाल का जवाब तलाशने की कोशिश की गई है। शोधकर्ताओं ने अपनी-अपनी थ?योरी पेश कीं। इन्हीं में कुछ शोध के मुताबिक, क्षुद्रग्रह धरती पर पानी लेकर आए। वहीं, कुछ अध्ययनों में कहा गया कि जमे हुए धूमकेतु ही धरती पर जलस्रोतों के लिए जिम्मेदार हैं। अब एक नए शोध ने इन सभी थ्योरीज को सिरे से खारिज कर दिया है। धरती पर पानी को लेकर किए गए नए शोध में पता चला है कि पृथ्वी ने खुद पानी तैयार किया था। कार्नेगी साइंस की रिसर्च के मुताबिक, धरती पर पानी गहरे अंतरिक्ष से नहीं आया। इसके लिए क्षुद्रग्रह किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं थे। शोध के मुताबिक जब हमारा ग्रह पृथ्वी धीरे-धीरे बन रहा था तो उस समय वायुमंडल में हाइड्रोजन प्रचुर मात्रा में मौजूद थी। धरती के हाइड्रोजन से भरपूर वायुमंडल और मैग्मा महासागरों के बीच रासायनिक क्रिया हुई, जिससे पानी तैयार हुआ। शोध रिपोर्ट में बताया गया है कि धरती ने खुद अपने लिए पानी तैयार किया। वैज्ञानिक अनत शार, एडवर्ड यंग और हिल्के श्लिचिंग की रिसर्च एक्सोप्लैनेट पर आधारित है। कार्नेगी साइंस की रिसर्च के मुताबिक, पृथ्वी के अस्तित्व के शुरुआती दौर में मैग्मा महासागर और हाइड्रोजन प्रोटो-वायुमंडल के बीच क्रिया से पानी निकला होगा। शार ने बताया कि एक्सोप्लैनेट की खोजों ने हमें बताया कि ग्रह के बनने से लाखों साल पहले के वायुमंडल में हाइड्रोजन होना आम बात थी। नई स्टडी बताती है कि गहरे अंतरिक्ष से धरती पर पानी आने की थ्योरी गलत है। अब तक यही दावा किया जाता रहा है कि धरती पर अधिकांश पानी के लिए क्षुद्रग्रह का टकराना जिम्मेदार है।

तालिबान ने फिर सुनाया महिला विरोधी फरमान, ईद समारोह में भाग लेने पर लगा दिया प्रतिबंध

तालिबान ने अफगानिस्तान के दो प्रांतों में महिलाओं के ईद समारोह में शामिल होने पर रोक लगा दी है। देश के बगलान और ताखर प्रांतों में अधिकारियों ने महिलाओं को ईद उल-फितर के दिनों में समूहों में बाहर नहीं निकलने का आदेश दिया। हालांकि अभी दो प्रांतों ने ही निर्देश जारी किए हैं। इससे पहले तालिबान ने अफगानिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत हेरात में बगीचों या हरे-भरे स्थानों वाले रेस्तरां में परिवारों और महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह निर्णय 卐लिंग मिश्रण卐 को रोकने और महिलाओं पर सख्त हिजाब नियमों की धज्जियां उड़ाने के लिए लिया गया था। गार्जियन ने बताया था कि तालिबान ने अफगानिस्तान के दो मुख्य शहरों में गर्भ निरोधकों की बिक्री को भी रोक दिया, यह दावा करते हुए कि महिलाओं द्वारा गर्भ निरोधकों का उपयोग मुस्लिम आबादी को नियंत्रित करने के लिए एक पश्चिमी साजिश है। स्टोर के मालिक ने गार्जियन को बताया कि वे दो बार बंदूक लेकर मेरे स्टोर पर आए और मुझे धमकी दी कि मैं गर्भनिरोधक गोलियां बिक्री के लिए न रखूं। वे नियमित रूप से काबुल में हर फार्मेसी की जांच कर रहे हैं और हमने उत्पादों को बेचना बंद कर दिया है। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने दावा किया कि दुकानदारों को सलाह दी गई थी कि वे ऐसी सामग्री न बेचें क्योंकि यह इस्लामिक मूल्यों के विपरीत है। नजीर ने कहा कि जिन दुकानदारों ने नियमों का पालन नहीं किया, उन्होंने अपनी दुकानें बंद देखीं। उन्होंने इन खबरों का भी खंडन किया कि हेरात में इंटरनेट कैफे बंद कर दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनुपयुक्त सामग्री के कारण बच्चों को गेमिंग आर्केड से रोक दिया गया था।

सरकार से वार्ता विफल होने के बाद कनाडा में डेढ़ लाख से अधिक कर्मचारी हड़ताल पर

टोरंटो । कनाडा में सरकार से वार्ता विफल होने के बाद डेढ़ लाख से अधिक कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं। इससे सरकार का कामकाज प्रभावित हो रहा है। जानकारी के अनुसार इमिग्रेशन, रिफ्यूजी एंड सिटीजनशिप कनाडा (आईआरसीसी) ने घोषणा की है कि, 155,000 से अधिक कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले श्रमिक संघ द्वारा हड़ताल के बाद आवेदनों और पासपोर्ट सेवाओं के प्रसंस्करण में देरी और व्यवधान की उम्मीद की जा सकती है, जो अधिकांश सरकारी विभागों को प्रभावित करेगा। कनाडा के लोक सेवा गठबंधन (पीएसएसी), संघीय श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करने वाला संघ, 19 अप्रैल को हड़ताल पर चला गया, जब वह मजदूरी और काम करने की अच्छी परिस्थितियों से संबंधित मुद्दों पर सरकार के साथ एक समझौते पर पहुंचने में विफल रहे। आईआरसीसी ने एक बयान में कहा, इस श्रम व्यवधान के दौरान, कुछ सेवाओं में देरी हो सकती है। साथ ही, जनता को कनाडा की सरकार की कुछ इमारतों तक पहुंचने में परेशानी हो सकती है, जहां सेवाएं प्रदान की जाती हैं। कनाडा के आव्रजन निकाय ने कहा कि आवेदनों को संसाधित करने, आव्रजन से संबंधित नियुक्तियों, ईमेल, फोन या सोशल मीडिया के माध्यम से आईआरसीसी से संपर्क करने, कांसुलर नागरिकता और पासपोर्ट सेवाओं, नागरिकता समारोहों और कनाडा में रहने के विस्तार में व्यवधान और देरी की उम्मीद की जा सकती है। हालांकि, कुछ आईआरसीसी सेवाएं, जैसे ऑनलाइन आवेदन करना, आईआरसीसी को आवेदन भेजना, अपने ऑनलाइन खातों का उपयोग करना, आपातकालीन सेवाओं तक पहुंच प्राप्त करना, श्रम व्यवधान के दौरान उपलब्ध रहेगा। इसके अलावा, गैर-सरकारी संगठनों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं, जिनमें आईआरसीसी भागीदार संगठनों से निपटान सेवाएं, अंतरिम संघीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा, और कनाडा के बाहर वीजा आवेदन केंद्र भी उपलब्ध रहेंगे।

पुर्तगाल के लिस्बन में राजकीय यात्रा के लिए पहुंचे ब्राज़ील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला डा सिल्वा की रूस-यूक्रेन युद्ध पर स्थिति को लेकर पुर्तगाल में ब्राज़ील के दूतावास के बाहर लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया।

चीन के साथ भारत के सीमा विवाद पर हमारा रुख पहले जैसा : डोनाल्ड लू

वाशिंगटन । दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के लिए अमेरिकी प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भारत और चीन के बीच बातचीत के जरिए सीमा विवाद के समाधान का समर्थन करने की बात दोहराते हुए कहा कि अमेरिका को इस बात के बेहद कम संकेत दिखते हैं कि चीन इन वार्ताओं को सही मंशा और गंभीरता से ले रहा है। दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने एक साक्षात्कार में कहा कि चीन के साथ भारत के सीमा विवाद पर हमारा रुख पहले जैसा ही है। हम दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत के जरिए सीमा विवाद के समाधान का समर्थन करते हैं। लू ने कहा कि इसके बावजूद हमें इस बात के बेहद कम संकेत मिले हैं कि चीन सरकार सही मंशा से इन वार्ताओं को गंभीरता से ले रही है। हम जो देखते हैं वह इसके विपरीत है। हम नियमित रूप से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर होने वाली उकसावे की घटनाओं को देख रहे हैं। विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत चीन की चुनौती के मद्देजनर अमेरिका के अपने साथ खड़े होने की उम्मीद कर सकता है। उन्होंने कहा कि हमने गलवान संकट के दौरान 2020 में उस संकल्प को दर्शाया और हम भारत के साथ सूचना साझा करने के अलावा सैन्य उपकरणों एवं अभ्यासों पर भी सहयोग के अवसर तलाशते रहे हैं।

भारत को मिलिट्री सप्लाई पर रूस ने लगाई रोक, मामला पेमेंट को लेकर अटका

रूस की तरफ से भारत को होने वाली मिलिट्री सप्लाई अब खतरे में आ गई, चीन है वजह या अमेरिका का है हाथ

न्यूर्याक (एजेंसी)। भारत और रूस की दोस्ती वर्षों पुरानी है। लेकिन इन दिनों कूटनीति कहे या मौजूदा जरूरत रूस के कट्टर दुश्मन अमेरिका से भी भारत की नजदीकियां पहले के मुकाबले काफी बढ़ी है। इसकी वजह चीन की बढ़ती विस्तारवादी मंशा और उस पर नियंत्रण के लिए अमेरिकी मुखरता की दरकार है। लेकिन भारत की रक्षा क्षेत्र से जुड़ी एक खबर सामने आई है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट ने दावा किया है कि भारत और रूस एक समान पेमेंट सिस्टम को तलाशने के लिए इन दिनों संघर्ष कर रहे हैं। सूत्रों की मानें तो दोनों देश चाहते हैं कि पेमेंट सिस्टम ऐसा हो जो अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन न करे। पिछले एक साल से करीब दो अरब डॉलर की पेमेंट अटकी हुई है और अब ऐसे में रूस ने सप्लाई रोक दी है।

रूस की तरफ से रोकी गई सप्लाई में करीब 10 अरब डॉलर की कीमल वाले स्पेयर पार्ट्स के अलावा एस 400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की दो बैटरीज भी शामिल है। भारत अभी तक अमेरिकी डॉलर्स में बिल का भुगतान करने में असमर्थ रहा है। उसे प्रतिबंधों की चिंता है जबकि रूस का कहना है कि वो रुपए में पेमेंट स्वीकार नहीं कर सकता है। हथियारों के लिए भुगतान का मुद्दा सुलझाना काफी जरूरी हो गया है। भारतीय सेनाएं इस समय 250 से ज्यादा सुखोई-30 एमकेआई हैं जो रूस में बने फाइटर जेट्स हैं। इसके अलावा सात किलो-श्रेणी की पनडुब्बियां और 1,200 से ज्यादा रूसी में बने टी-90 टैंक ऑपरेट करती हैं।

इससे पहले पुतिन और जिनपिंग की मुलाकात के बाद अचानक खबर आई थी कि भारत को एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम के पांचों स्कार्डन की डिलीवरी समय पर पूरी नहीं हो पाएगी। रूस ने अब भारत को लिखित में बताया है कि वो 2024 तक सभी सिस्टम नहीं दे पाएगा। अभी तक भारत को एस-400 के तीन स्कावर्डन मिल चुके हैं। भारत ने 2018 में 5.4 बिलियन डॉलर में खरीदी गई एस-400 ट्रायम्फ वायु रक्षा प्रणाली की डिलीवरी भी शामिल है। मास्को में आर्मी एक्सपो में बोलते हुए रूस के रोसोबोरोनेक्सपोर्ट के सीईओ, अलेक्जेंडर मिखेयेव ने पिछले साल अगस्त में कहा था कि वे 2023 के अंत तक भारत को सभी पांच एस-400 रेजिमेंट वितरित कर देंगे।

बिलावल के भारत दौरे को इमरान खान की पार्टी ने बताया अंतर्राष्ट्रीय साजिश

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के भारत दौरे को इमरान खान की पार्टी ने अंतर्राष्ट्रीय साजिश करार दिया है। गौरतलब है कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी अगले महीने भारत आ रहे हैं, जहां वे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में भाग लेंगे। इस खबर के आने के साथ ही उनके ही देश में अब इसको लेकर

वाकयुद्ध शुरू हो गया है। बिलावल भुट्टो जरदारी की भारत यात्रा को विपक्ष ने अंतर्राष्ट्रीय साजिश करार दिया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के वरिष्ठ नेता फवाद चौधरी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में भुट्टो की बहुप्रतीक्षित यात्रा की आलोचना की और दावा किया कि सरकार अंतर्राष्ट्रीय एजेंडे के निर्देश पर काम कर रही है। उनके अनुसार, पड़ोसी देश के साथ अच्छे संबंध बनाना एक वैश्विक एजेंडा है और इसे वर्तमान सरकार पर थोपा गया है।

अपनी प्रतिक्रिया में फवाद चौधरी ने कहा कि बिलावल भुट्टो की भारत यात्रा कश्मीरियों के संघर्ष की पीठ में छुरा घोंपने जैसी है। कश्मीर के मुद्दे को दफनाना और भारत के साथ संबंध बनाना उस अंतरराष्ट्रीय एजेंडे का हिस्सा है, जिसके तहत इस सरकार को पाकिस्तान पर थोपा गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि इमरान खान की पार्टी का बयान इस तथ्य के बावजूद आया कि जब वह प्रधानमंत्री थे तब वह नई दिल्ली के साथ संबंध बनाना चाहते थे। बता दें कि भारत के गोवा में 4-5 मई, 2023 को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की विदेश मंत्री परिषद (सीएफएम) की बैठक आयोजित की जा रही है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जेहरा ने कहा कि बिलावल भुट्टो जरदारी भारत के गोवा में होने वाली एससीओ विदेश मंत्री परिषद (सीएफएम) की बैठक में पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

अंतरिक्ष में भेजे गए बीज वापस धरती पर लौटे, वैज्ञानिकों ने कहा अच्छी होगी पैदावार

सैन फ्रांसिस्को(एजेंसी) पृथ्वी पर बदलते मौसम की मार के अनुरूप फसलों को ढालने के एक प्रयास में पिछले साल अंतरिक्ष में भेजे गए बीज वापस पृथ्वी पर लौट आए हैं। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी और संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन के संयुक्त प्रयासों से बीज को अंतरिक्ष में भेजा गया था, ताकि लचीली फसलें विकसित की जा सकें जो पर्याप्त भोजन प्रदान करने में मदद कर सकें।

वैज्ञानिकों के अनुसार पौधे स्वाभाविक रूप से अपने परिवेश में पनपने के लिए विकसित होते हैं, लेकिन फसलें जलवायु परिवर्तन की वर्तमान गति के साथ तालमेल बिठाने के लिए संघर्ष कर रही हैं। दुनिया गर्म है और वैश्विक आबादी बढ़ रही है, जिससे दुनिया भर के किसानों को भोजन की मांग को पूरा करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। इन किसानों का समर्थन करने और वैश्विक खाद्य सुरक्षा में सुधार करने के लिए, आईएईए और एफएओ ने अपने संयुक्त एफएओ/आईएईए सेंटर ऑफ न्यूक्लियर टेक्निक्स इन फूड एंड एग्रीकल्चर के माध्यम से बीजों को अंतरिक्ष में भेजा ताकि बहुत से प्राकृतिक, आनुवंशिक अनुकूलन को तेज करने पर ब्रह्मांडीय विकिरण के प्रभावों का पता लगाया जा सके।

7 नवंबर 2022 को नासा की वॉलॉप्स फ्लाइट सुविधा से इस मिशन को लांच किया गया, जहां अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में अरबिडोप्सिस और सोरघम बीजों को पांच माह के लिए रखा गया। अब वे ऑस्ट्रिया के सीबर्सडॉर्फ में संयुक्त एफएओ/आईएईए सेंटर ऑफ न्यूक्लियर टेक्निक्स इन फूड एंड एग्रीकल्चर की प्रयोगशालाओं में वापस अपनी यात्रा शुरू करने वाले हैं, जहां उनकी जांच की जाएगी और वांछनीय लक्षणों के लिए उनका विश्लेषण किया जाएगा। यहां बीजों को एक फाइटोसैनिटरी आयात प्रक्रिया से गुजरना होगा जो कीटों से संबंधित एक आवश्यक मानक है।

सितंबर में भारत की यात्रा पर आएंगे जो बाइडेन, अमेरिका बोला- संबंधों के लिहाज से 2024 है बहुत अहम

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन सितंबर में भारत की यात्रा कर सकते हैं। दक्षिण और मध्य एशिया के लिए बाइडेन प्रशासन के एक प्रमुख व्यक्ति ने कहा है कि 2024 भारत-अमेरिका संबंधों के लिए एक बड़ा वर्ष होने जा रहा है। अधिकारी ने कहा कि जी-20 में भारत का नेतृत्व दुनिया में अच्छाई की ताकत के रूप में खड़े होने की उसकी क्षमता को और बढ़ाता है। यह एक बड़ा साल होने वाला है। बेशक, भारत जी-20 की मेजबानी कर रहा है। इस वर्ष, संयुक्त राज्य अमेरिका एपेक की मेजबानी कर रहा है। जापान जी7 की मेजबानी कर रहा है। हमारे बहुत सारे क्वाड सदस्य हैं जो नेतृत्व की भूमिका निभा रहे हैं। और यह हम सभी को अपने देशों को करीब लाने का अवसर प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि हमारे राष्ट्रपति

सितंबर में भारत की यात्रा के लिए उत्सुक हैं। जी-20 लीडर्स समिट के हिस्से के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा होगी। हम वास्तव में उत्साहित हैं कि अगले कुछ महीनों में क्या आने वाला है। हम इस नए साल में केवल तीन महीने से थोड़ा अधिक हैं। और हमारे पास वास्तव में कई रोमांचक चीजें हुई हैं। इसमें सेक्रेटरी ऑफ स्टेट टोनी ब्लिंकेन, ट्रेजरी सेक्रेटरी जेनेट येलेन और कॉमर्स सेक्रेटरी जीना रायमोंडो की भारत यात्रा शामिल है। दिल्ली में भारत-अमेरिका फोरम में प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

जी-20 के अध्यक्ष के रूप में भारत जी-20 के सकारात्मक एजेंडे को आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मार्च में डॉ जयशंकर ने सभी चार विदेश मंत्रियों के साथ रायसीना डायलॉग में एक मंत्रिस्तरीय बैठक और असाधारण सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए अपने क्वाड समकक्षों की मेजबानी की। उन्होंने कहा कि यह क्वाड के विदेश मंत्रियों के साथ इस तरह की पहली सार्वजनिक चर्चा थी और वास्तव में यह बताया कि कैसे हमारे चार देश इंडो-पैसिफिक के लोगों का समर्थन करने के लिए एक साथ आ रहे हैं।

न्यूयॉर्क में लाखों चूहों से कोरोना वायरस के फैलने का खतरा बढ़ा

वॉशिंगटन । अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में लंबे समय से चूहों से निजात पाने का उपाय खोजा जा रहा है। एक स्टडी ने चौंकाने वाला दावा किया है। स्टडी ने बताया कि लाखों चूहों से कोरोना वायरस के फैलने का खतरा बढ़ गया है। मिसौरी विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने इस पर स्टडी की है। शोधकर्ताओं के अनुसार अगर इतने बड़ी तादाद में चूहे संक्रमित हुए तो शहर की आबादी दोबारा कोरोना की चपेट में आ जाएगी। मीडिया के अनुसार बिग एप्पल यानी न्यूयॉर्क में लगभग आठ मिलियन जंगली चूहे हैं और वे अमेरिका के अन्य शहरों में भी व्यापक रूप से फैले हुए हैं। इस स्टडी को अमेरिकन सोसाइटी फॉर माइक्रोबायोलॉजी के एमबायो जर्नल में प्रकाशित किया गया है।

मुस्लिम, हिंदू, सिख और यहूदी, ब्रिटिश सम्राट की ताजपोशी में गैर-ईसाई लोगों की पहली भागीदारी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। 70 साल के शासन के बाद पिछले सितंबर में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की 96 साल की उम्र में मृत्यु हो जाने के बाद 74 वर्षीय चार्ल्स ने ब्रिटेन की गद्दी संभाली। 900 से अधिक वर्षों से चली आ रही परंपरा में आगामी 6 मई को लंदन के वेस्टमिंस्टर एब्बे में चार्ल्स की औपचारिक ताजपोशी के साथ तीन दिनों के कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ऐतिहासिक समारोह में अन्य धर्मों को भी शामिल करने की तैयारी है। मुस्लिम, हिंदू, सिख और यहूदी साथी वेस्टमिंस्टर एब्बे में समारोह के दौरान वहां मौजूद होंगे।

यदि ऐसा किया जाता है, तो यह एक ब्रिटिश सम्राट की ताजपोशी में गैर-ईसाई लोगों की पहली भागीदारी होगी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हाउस ऑफ लॉर्ड्स के चार सदस्यों के साथ मुख्य समारोह का हिस्सा होंगे और मुस्लिम, हिंदू, सिख और यहूदी समुदाय के सदस्य भी मौजूद रहेंगे। टाइम्स के अनुसार, राज्याभिषेक समारोह में विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि ब्रिटेन के बदलते जनसांख्यिकी को दर्शाने

का एक प्रयास है।

हालांकि, डेली मेल ने पहले बताया था कि चर्च के नेता किंग चार्ल्स के राज्याभिषेक समारोह में अन्य विश्वास नेताओं की भूमिका का विरोध कर रहे हैं, यह कहते हुए कि यह पारंपरिक रूप से एक एंग्लिकन समारोह है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि किंग चार्ल्स एक अलग समारोह भी आयोजित कर सकते हैं जिसमें अन्य धार्मिक नेता सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

चीन के भारत के साथ वार्ता को गंभीरता से लेने के कुछ खास संकेत नजर नहीं आते : यूएस

न्यूर्याक (एजेंसी)। दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के लिए अमेरिकी प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भारत और चीन के बीच बातचीत के जरिए सीमा विवाद के समाधान का समर्थन करने की बात दोहराते हुए कहा कि अमेरिका को इस बात के बेहद कम संकेत दिखते हैं कि चीन इन वार्ताओं को सही मंशा और गंभीरता से ले रहा है। दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, '' चीन के साथ भारत के सीमा विवाद पर हमारा रुख पहले जैसा ही है। हम दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत के जरिए सीमा विवाद के समाधान का समर्थन करते हैं।'' लू ने कहा, '' इसके बावजूद हमें इस बात के बेहद कम संकेत मिले हैं कि चीन सरकार सही मंशा से इन वार्ताओं को गंभीरता से ले रही है। हम जो देखते हैं वह इसके विपरीत है। हम नियमित रूप से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर होने वाली उकसावे की घटनाओं को देख रहे हैं।'' विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत चीन की चुनौती के मद्देजनर अमेरिका के अपने साथ खड़े होने की उम्मीद कर सकता है। उन्होंने कहा, '' हमने गलवान संकट के दौरान 2020 में उस संकल्प को दर्शाया और हम भारत के साथ सूचना साझा करने के अलावा सैन्य उपकरणों एवं अभ्यासों पर भी सहयोग के अवसर तलाशते रहे हैं।

दूरबीन से भी नहीं मिल रहे भाजपा के नेता व उनके विकास कार्य : सुमित गौड़

कांग्रेसी नेता दूरबीन से ढूंढने निकले भाजपा का विकास, हर तरफ टूटी सड़कें और कूड़े के ढेर ही दिखे

फरीदाबाद की आवाज/सतेन्द्र राजपूत

फरीदाबाद। भाजपाईयों की स्वंयभू स्मार्ट सिटी फरीदाबाद में आज कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सुमित गौड़ दूरबीन से विकास ढूंढने निकले, लेकिन सिवाए विनाश के लिए उन्हें कुछ नहीं नजर आया। वे सर्वप्रथम ओल्ड फरीदाबाद के खेड़ीपुल रोड पहुंचे, जहां की सड़कें टूटी, गंदगी के ढेर और बदबू का माहौल देखकर उन्होंने भाजपा सरकार को जमकर कोसा। उन्होंने कहा कि क्या यही भाजपाईयों की स्मार्ट सिटी है, अगर यह स्मार्ट सिटी है तो उन्हें ऐसी सिटी नहीं चाहिए बल्कि कांग्रेस शासनकाल वाला फरीदाबाद शहर ही ठीक था, जहां सड़कें, पानी व सीवरेज जैसी सुविधाओं से जनता त्रस्त नहीं थी। इस मौके पर उनके साथ मुख्य रूप से युवा कांग्रेस के पूर्व लोकसभा अध्यक्ष रिंकू चंदीला, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अनिल कुमार नेता जी व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता संजय सोलंकी मौजूद रहे। इस दौरान पत्रकारों से रूबरू होते हुए सुमित गौड़ ने कहा कि भाजपा सरकार पूरी तरह से गूंगी-बहरी बनी हुई है और इस सरकार के अधिकारी भी भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हुए है, जिन्हें हम जगाने का काम कर रहे है क्योंकि फरीदाबाद विधानसभा उनकी कर्मभूमि

और कार्यभूमि है इसलिए उनका दायित्व बनता है कि वह सरकार और उनके नुमाइंदों को आइना दिखाने का काम करें। श्री गौड़ ने कहा कि भाजपा राज में नहरपार क्षेत्र का बुरा हाल है, यहां की कालोनियां और सोसायटियों में रहने वाले बाशिंदे नारकीय जीवन जीने को मजबूर है, उन्हें न तो पीने के लिए पानी मिल रहा, ना बेहतर सीवरेज व्यवस्था और न ही सड़कें, सड़कों की बात करें तो यहां सड़कों के नाम पर गड्ढे बने हुए है, जिनमें दिनभर धूल उड़ती रहती है और लोग सांस की बीमारी आदि से पीड़ित हो रहे है, लेकिन विधायक नरेंद्र गुप्ता व अधिकारियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के मंत्री, विधायक और पार्षद अमीर व्यक्तियों की शादियों, निजी कार्यक्रमों अथवा जागरण-चौकियों में तो नजर आ जाते है, लेकिन जनता की समस्याएं सुनने के लिए वह अपने कार्यालयों से नदारद रहते है। इस जनता का क्या ये कसूर है कि इन्होंने अपना वोट देकर भाजपा की सरकार बनाई? आज यही जनता विकास के लिए ठोकरें खाने को मजबूर है। उन्होंने फरीदाबाद के विधायक नरेंद्र गुप्ता पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह क्षेत्र का विकास करवाने में फेल साबित हो रहे है, सरकार में फरीदाबाद के विनाश की गाथाएं लिखी जा रही है, चार सालों में यहां कुछ नहीं हुआ और अब जब निगम चुनावों का आखिरी साल है तो सारे शहर को जगह-जगह खुदवा दिया है, जिससे लोगों को परेशनियों का सामना करना पड़ रहा है। खेड़ीपुल, मवई रोड, तिगांव रोड सारा खोद दिया है और यहां काम भी सवा साल से बंद है, जिसके चलते लोग सरकार को कोसने को मजबूर हो रहे है। उन्होंने कहा कि अगर जल्द ही भाजपा विधायक, मंत्री व निगम अधिकारियों से जनता से जुड़े मुद्दों पर काम शुरू नहीं किया तो कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता सरकार के विरूद्ध धरना प्रदर्शन करने से भी गुरेज नहीं करेगा।

अज्जो फिल्म के माध्यम से बेटियों को बचाने और पढ़ाने का दिया गया संदेश : कृष्णपाल गुर्जर

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। आज भी देश के कई पिछड़े हिस्सों में लोग अंधविश्वास और रूढ़ीवादी विचारों के साए में जी रहे हैं। फीचर फिल्म अज्जो पुरानी रूढ़ीवादी परंपराओं पर चोट कर समाज को एक नई रोशनी दिखाने का काम कर रही है। यह कहना है कि अज्जों फिल्म के प्रोड्यूसर प्रदीप मोहंती का। उन्होंने बताया कि फिल्म में बच्ची अज्जों की भूमिका प्रदीप्ता मोहंती, अज्जों के पिता की भूमिका फिल्म के डायरेक्टर रामजी बाली, अज्जो की दादी का किरदार मशहूर फिल्म अभिनेत्री डॉली अहलूवालियां, अज्जों की मां का किरदार नीलू डोगरा और पत्रकार का किरदार प्रवीण मोहंती निभा रहे है। वहीं फिल्म में गेस्ट अभिनेता के रूप में उपायुक्त की भूमिका अभिनेता यशपाल शर्मा (गंगाजल फिल्म में बच्चा यादव की भूमिका में थे यशपाल शर्मा) निभा रहे है। फिल्म की रिलीज के मौके पर मुख्यातिथि के रूप में केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, विशिष्ट अतिथि बडख़ल के एसडीएम पंकज सेतिया मुख्य रूप से मौजूद रहे। इस मौके पर मुख्यातिथि केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि आज भी देश के कई हिस्सों में अंधविश्वास और अज्ञानता के कारण बेटियों को जन्म से पहले ही कोख में मार दिया जाता है। अज्जो फिल्म के माध्यम से उन बेटियों को बचाने और पढ़ाने का संदेश दिया जा रहा है। प्रदीप मोहंती ने बहुत ही बेहतर फिल्म बनाई है। बेटी प्रदीप्ता ने भी देश को फिल्म के जरिये गर्भवस्था में महिलाओं की समय-समय पर डॉक्टरी जांच करवाते रहने का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि उनका जन्म भी दाई के हाथों ही हुआ था, लेकिन आज जिस तरह से जीवनशैली में बदलाव आ रहा है, उसे देखते हुए अस्पताल में महिलाओं की जांच करवाते रहने से जच्चा और बच्चा दोनों को स्वस्थ रखा जा सकता है। फिल्म रिलीज के मौके पर एफआईए प्रेजीडेंट नरेन्द्र अग्रवाल, उद्योगपति एचके बत्रा, अरूण बजाज, जेपी मल्होत्रा, जगत मदान, सुरेश चंद्रा, रमणीक प्रभाकर, आनंद मेहता, संदीप सिंघल, कुलवीर सचदेवा, टीआर अरोड़ा, अशुलाल, पीए मोहन सोनी, राजेश महाजन, एनडी नागपाल, सुभाष त्यागी, गुलशन नारंग और शहर के गणमान्य व्यक्तियों में पीएनडीटी नोडल अधिकारी डॉ. मान सिंह, निवर्तमान डिप्टी मेयर मनमोहन गर्ग, राष्ट्रीय कवि दिनेश रघुवंशी, देवेन्द्र सिंह, उदीत इंदु, पुलिस प्रवक्ता सुबे सिंह, जिला बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान केपी तेवतिया, पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिवदत्त

वशिष्ठ, डीपीएस स्कूल की प्रिंसीपल सुरजीत खन्ना, इंटरनेशनल इंवरव्हील संस्था की एसोसिएशन काउसिंल मैम्बर अनिता जैन, जितेन्द्र मंगला, कांग्रेसी नेता बलजीत कौशिक मुख्य रूप से मौजूद रहे। इससे पहले बुधवार को बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संवित पात्रा और राजीव जेटली ने डीपीएस स्कूल के चेयरमैन रोहित जैन और स्कूल के बच्चों और फिल्म की लीड रोल अदा कर रही प्रदीप्ता मोहंती के दादा केसी मोहंती, दादी प्रेमलता मोहंती, पिता प्रदीप मोहंती, माता प्रतिमा मोंहती, बहन प्रतिष्ठा मोहंती और चाची संगीता मोहंती के संग फिल्म देखी।

पेयजल आपूर्ति और सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांटों पर अधिकारी दें जोर : विक्रम सिंह

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। विधायक नरेंद्र गुप्ता व उपायुक्त विक्रम ने फरीदाबाद विधान सभा क्षेत्र की विकासात्मक योजनाओं और परियोजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए शुक्रवार को अधिकारियो के साथ समीक्षा की। वहीं अधिकारियों को विकास कार्यों में देरी होने पर जबाब देही देने और ठेकेदारों पर पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए गए हैं। समीक्षा बैठक में प्रशासनिक, स्मार्ट सिटी लिमिटेड, एमसीएफ और एफएमडीए के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। बैठक में पेयजल आपूर्ति और सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांटो पर जोर देने के लिए कहा गया। उपायुक्त ने एक-एक करके विभाग वार विकासात्मक योजनाओं और परियोजनाओं की बारीकी से समीक्षा कर सम्बंधित विभाग के अधिकारियो को दिशा-निर्देश दिए। बैठक में गर्मी के मौसम के मद्देनजर बेहतर पेयजल सप्लाई से जुड़ी हुई तमाम व्यवस्थाएं और एसटीपी के क्रियान्वयन, अवैध कब्जे हटाने,मुख्यमंत्री की घोषणाओं को यथाशिघ्र शुरू करवाना और निर्धारित समय पर पूरा करना तथा बिजली सप्लाई से जुड़ी हुई

लाइन तथा अन्य कार्य,सिवरेज व्यवस्था, स्ट्रीट लाइटिंग और अन्य मूलभूत विकास कार्यों के बेहतर क्रियान्वयन के लिए मंत्रणा की गई। समीक्षा बैठक में विकासात्मक योजनाओं और परियोजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए तथा आन लाइन प्लेट फार्म प्रणाली को आधुनिक तौर तरीकों के साथ विभागों तथा एजेंसियो से आपसी सहमति से करवाया जाने बारे बारिकी से चर्चा की गई। सडको पर स्ट्रीट लाइटिंग, इल्क्ट्रीकल वर्क, रोड़, फूटपाथ, ग्रील सहित तमाम पहलुओं पर बारिकी से समीक्षा की गई। वहीं पार्किंग,पार्कों , बाउंड्री वॉल, सीवर लाइन आदि के निर्माण कार्य के बेहतर क्रियान्वयन के लिए विस्तृत जानकारी लेकर समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में अधिकारियों को आदेश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य में इस्तेमाल हो रहे कंस्ट्रक्शन मैटेरियल की जांच की ठीक प्रकार से करवा ली जाए। इस कार्य में कोताही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ उचित कार्यवाही की जाएगी। बैठक में,एमसीएफ ज्वाइंट कमीशनर शिखा ,स्मार्ट सीटी के जीएम आर के बागडी, डीसीएम अरविंद सिंह, डीसीएम कुलदीप सिंह,, एमसीएफ के कार्यकारी अभियंता ओमवीर सिंह सहित समीक्षा बैठक से जुड़े अन्य विभागों के तकनीकी अधिकारी मौजूद रहे।

सब्जी लेने गई महिला को सांड ने मारी टक्कर, हालत गंभीर

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। जिले में आवारा पशुओं का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। नगर निगम प्रशासन की लापरवाही के चलते आवारा पशु लोगों की जान के लिए खतरा बने हुए हैं। इसी कड़ी में आवारा पशु ने एक महिला को टक्कर मार दी, जिससे महिला बुरी तरह जख्मी हो गई, फिलहाल महिला का इलाज फरीदाबाद सिविल अस्पताल में जारी है। फरीदाबाद की डबुआ मंडी में महिला सब्जी लेने गई थी, जहां आवारा सांड ने महिला को टक्कर मार दी, जिसकी वजह से महिला बुरी तरह जख्मी हो गई। महिला के पति की माने तो उसकी पत्नी डबुआ मंडी में सब्जी लेने गई थी जहां पर काफी आवारा पशु घूम रहे थे। उनमें से एक सांड ने उसकी पत्नी को टक्कर मारकर बुरी तरह जख्मी कर दिया। फरीदाबाद की सड़कों पर

आवारा पशु झुंड बनाकर घूमते हैं और वहां से निकलने वाले लोगों को अपना शिकार बना लेते हैं। फरीदाबाद के अधिकारी कई बार ये दावा कर चुके हैं कि अब सड़कें आवारा पशुओं से मुक्त हो जाएंगी लेकिन वो केवल अखबारी बयान ही दिखाई देते हैं। गौरतलब है कि इन दिनों फरीदाबाद में आवारा पशुओं का आतंक काफी बढ़ गया है। आए दिन किसी ना किसी आवारा पशु की वजह से लोग हादसे का शिकार हो रहे हैं। रास्तों पर भी आवारा पशुओं का आतंक जारी है। कई बार आवारा पशुओं की वजह से सड़कों पर भयानक एक्सीडेंट भी हो चुके है, लेकिन इसके बावजूद भी फरीदाबाद प्रशासन इनके ऊपर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक कई बार इसकी शिकायत संबंधित अधिकारियों को दी जा चुकी है। इसके बावजूद भी इस समस्या की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक दिनेश शर्मा द्वारा स्वास्तिका क्रिएशन, 19 डीएसआईडीसी शेड, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से मुद्रित करवाकर मुख्य कार्यालय 19 डीएसआईडीसी शेड, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से प्रकाशित किया।
पीआरबी एक्ट के अंतर्गत रचनाओं के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्यायक्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। फोन : 011-26386221 मो. : 9810635211 DCP Licencing No. F.2 (F-10) Press/2017 RNI No. - DELHIN/2017/76338